राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

बजट में कोई आहत, किसी को राहत...4

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शुक्रवार, 03 फरवरी 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 44 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

संसद में अडाणी समूह मामले पर विपक्षी सदस्यों का हंगामा, बाधित रहे दोनों सदन

नयी दिल्ली। संसद में बृहस्पतिवार को कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के सदस्यों ने अडाणी समूह से जुड़े मामले सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी एवं हंगामा किया जिससे दोनों सदन एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिए गये। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आज दोपहर कई विपक्षी दलों के नेताओं की मौजूदगी में विजय चौक पर संवाददाताओं से बातचीत में अडाणी प्रकरण में आम लोगों तथा एलआईसी एवं एसबीआई के हितों को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने या उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश से जांच कराये जाने की मांग की। संसद के बजट सत्र के तीसरे दिन लोकसभा की बैठक शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जैसे ही प्रश्नकाल शुरू कराया, कांग्रेस समेत लगभग सभी विपक्षी दलों के सदस्य आसन के पास आकर नारेबाजी करने लगे। वे अडाणी समूह को लेकर आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर चर्चा कराने की और समूह की कारोबारी प्रक्रियाओं की जांच कराने की मांग कर रहे थे। हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों से उनके स्थान पर जाने की अपील करते हुए बिरला ने प्रश्नकाल चलने देने का अनुरोध किया और कहा कि बिना तथ्यों के कोई बात नहीं की जानी चाहिए। इस दौरान अध्यक्ष बिरला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्य पूनम मदाम को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) से संबंधित पूरक प्रश्न पूछने को कहा, लेकिन हंगामे के बीच वह पूरक प्रश्न नहीं पूछ सकीं। अध्यक्ष बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा, "प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है। विधान मंडल अध्यक्षों के (हाल में हुए) सम्मेलन में चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया था कि प्रश्नकाल चलना चाहिए।" उन्होंने विपक्षी सदस्यों से कहा, "आप बुनियादी सवाल उठाएं। मैं आपको पर्याप्त समय दूंगा। आप सदन की मर्यादा नहीं रखना चाहते। बिना तथ्यों के कोई बात नहीं कीजिए।" हंगामा नहीं थमने पर अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही कुछ ही मिनट बाद अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी। सदन की बैठक अपराह्न दो बजे जब फिर शुरू हुई तो हंगामा जारी रहा। कई सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। शोर–शराबे के बीच पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल ने आवश्यक कागजात सदन के पटल पर रखवाए। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की।

उन्होंने कहा, "राष्ट्रपति महोदया (द्रौपदी मुर्मू) ने दोनों सदनों को संबोधित किया है। अभिभाषण पर लाए जाने वाले धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा महत्वपूर्ण होती है। यह उनका (राष्ट्रपति मुर्मू का) पहला अभिभाषण है। इस पर चर्चा करिये। सदन चर्चा के लिए होता है।" जोशी ने कहा, "आपसे हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि चर्चा आरंभ करिये।" पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल ने भी विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने अपराह्न दो बजकर करीब पांच मिनट परबैठक शुक्रवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा में भी विभिन्न मुद्दों पर कार्य स्थगन के प्रावधान वाले नियम 267 के तहत चर्चा कराने की मांग पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण कार्यवाही बाधित रही और बैठक को एक बार के

स्थगन के बाद दोपहर दो बजे के कुछ ही मिनट बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष के हंगामे के कारण उच्च सदन में शून्यकाल एवं प्रश्नकाल भी नहीं हो पाया। उच्च सदन में आज पूर्वाह्न 11 बजे कार्यवाही आरंभ होने पर सभापति जगदीप धनखड़ ने पूर्व केंद्रीय मंत्री शांति भूषण के निधन का उल्लेख किया। उनके योगदान की सराहना करते हुए धनखड़ ने कहा कि शांति भूषण उच्च सदन के पूर्व सदस्य थे। इसके बाद सदस्यों ने उनके सम्मान में कुछ देर मौन रखा। धनखड़ ने इसके बाद सदन को बताया कि उन्हें विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी, आम आदमी पार्टी (आप) के संजय सिंह, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के तिरुची शिवा सहित कुल नौ सदस्यों की ओर से नियम 267 के तहत नोटिस मिले हैं। उन्होंने पूर्व की अपनी व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि इनमें से कोई भी नोटिस स्वीकार किए जाने की अनिवार्यताओं को पूरा नहीं करता है, लिहाजा उन्होंने इन्हें अस्वीकार कर दिया। उनके ऐसा कहते ही विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। धनखड़ ने सदस्यों से सदन में शांति और व्यवस्था बहाल करने का अनुरोध किया लेकिन अपनी बात का असर न होते देख उन्होंने सदन की कार्यवाही 11 बजकर सात मिनट पर दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर दो बजे बैठक फिर शुरू होने पर सभापति धनखड़ ने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करने और उस पर चर्चा कराने के लिए कहा। किंतु विपक्षी सदस्यों ने नियम 267 के तहत सदन में चर्चा कराने की मांग शुरू कर दी। सदन में हंगामा शुरू होने के कारण सभापति ने दोपहर दो बजकर तीन मिनट पर बैठक को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया। नेता प्रतिपक्ष के कार्यालय के अनुसार, कांग्रेस नेता खरगे ने नियम 267 के तहत बाजार मूल्य खोने वाली कंपनियों में एलआईसी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निवेश के मुद्दे पर चर्चा का नोटिस दिया था। शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने एलआईसी, एसबीआई आदि की होल्डिंग्स के ओवरएक्सपोजर की रिपोर्ट की गई घटनाओं के आलोक में तत्काल सार्वजनिक महत्व के मामले पर चर्चा कराने का नोटिस दिया था। विजय चौक पर विपक्षी नेताओं की मौजूदगी में खरगे ने संवाददाताओं से कहा, "हम यह कहना चाहते हैं कि सरकार क्यों दबाव बनाकर ऐसी कंपनियों को कर्ज दिलवा रही है?" उन्होंने कहा, "लोगों के हित में ध्यान रखते हुए. एलआईसी, एसबीआई के निवेश को ध्यान में रखते हुए हम चर्चा की मांग कर रहे हैं। हमारी मांग है कि या तो जेपीसी गठित करके इसकी जांच हो या उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के नेतृत्व में इसकी जांच हो।" कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खरगे ने कहा, "जांच होने पर प्रतिदिन रिपोर्ट जनता के समक्ष रखी जाए ताकि पारदर्शिता रहे और लोगों को विश्वास रहे कि उनका पैसा बचा है।

समान नागरिक संहिता लागू करने पर फिलहाल कोई फैसला नहीं, कानून मंत्री ने संसद में दी जानकारी

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को राज्यसभा को बताया कि केंद्र ने देश में समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन पर अब तक कोई निर्णय नहीं लिया है। मंत्री ष्क्या सरकार के पास समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करने की कोई योजना हैष् के संबंध में एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। रिजिजू ने कहा कि विधि आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार समान नागरिक संहिता (न्ब्) से संबंधित मामला 22वें विधि आयोग द्वारा विचार के लिए लिया जा सकता है। इसलिए, समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

उन्होंने आगे जवाब दिया कि सरकार ने भारत के 21वें विधि आयोग से यूसीसी से संबंधित विभिन्न मुद्दों की जांच करने और उस पर सिफारिशें करने का अनुरोध किया था। कानून मंत्री ने सूचित किया कि हालांकि, 21वें विधि आयोग

का कार्यकाल 31 अगस्त, 2018 को समाप्त हो गया। क्या सरकार न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया में अपना प्रतिनिधि नियुक्त करने की दिशा में बढ़ रही है और क्या सरकार न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसा एक स्वतंत्र नियामक स्थापित करने पर विचार कर रही है? कानून मंत्री ने संसद को सूचित किया कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय को 6 जनवरी, 2023 को अपने हालिया संचार में सरकार ने विभिन्न न्यायिक घोषणाओं के मद्देनजर एमओपी को अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर बल दिया है और अन्य बातों के साथ–साथ सुझाव दिया है कि खोज–सह–सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों और उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में मूल्यांकन समिति में भारत सरकार द्वारा नामित प्रतिनिधि शामिल होना चाहिए।

उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए, समिति में भारत सरकार द्वारा नामित एक प्रतिनिधि और उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के तहत राज्य सरकार (सरकारों) के एक प्रतिनिधि को मुख्यमंत्री द्वारा नामित किया जाना चाहिए।

अपमानजनक टिप्पणियों का दर्द केवल महिलाएं और शूद्र ही समझ सकते हैं : मौर्य

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को कहा कि धर्म की आड़ में उनके लिए की गई अपमानजनक टिप्पणियों का दर्द केवल महिलाएं और शूद्र ही समझ सकते हैं। श्रीरामचरितमानस पर टिप्पणी कर चर्चा में आये मौर्य ने महात्मा गांधी के साथ महिलाओं और 'शूद्र' के दर्द की तुलना की, जिन्होंने ट्रेन में अंग्रेजों द्वारा "भारतीय कुत्ते हैं" जैसी टिप्पणी का सामना किया था। मौर्य ने ट्वीट किया कि "इंडियंस आर डाग" कहकर अंग्रेजों ने जो अपमान व बदसलूकी ट्रेन में (महात्मा) गांधी जी के साथ किया था, वह दर्द उन्होंने ही समझा था।उसी प्रकार धर्म की आड़ में जो अपमानजनक टिप्पणियां महिलाओं व शुद्र समाज के लिये की जाती हैं उसका दर्द भी वहीं समझते हैं।" गौरतलब है कि सपा के विधान परिषद के सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य ने 22 जनवरी को कहा था कि श्रीरामचरितमानस की कुछ पंक्तियों में जाति, वर्ण और वर्ग के आधार पर यदि समाज के किसी वर्ग का अपमान हुआ है तो वह निश्चित रूप से वह धर्म नहीं है, यह अधर्म है। मौर्य ने कहा था,"श्रीरामचरित मानस की कुछ पंक्तियों में तेली और कुम्हार जैसी जातियों के नामों का उल्लेख है, जो इन जातियों के लाखों लोगों की भावनाओं को आहत करती हैं।" मौर्य ने मांग की थी कि पुस्तक के ऐसे हिस्से पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए जो किसी की जाति या ऐसे किसी चिह्न के आधार पर किसी का अपमान करते हैं।

हैदराबाद में एक गोदाम में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद। हैदराबाद के एक गोदाम में बृहस्पतिवार सुबह भीषण आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आग चिक्कड़पल्ली इलाके के एक गोदाम में लगी, जिसमें रखे टेंट और

सजावट का कुछ सामान जलकर खाक हो गया। आग के आसपास के परिसर में फैलने से एक कार्यालय आंशिक रूप से जल गया। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही दमकल की 10 से अधिक गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और आग पर काबू पाया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि आग शॉर्ट–सर्किट होने की वजह से लगी। हालांकि, जांच पूरी होने पर ही इसकी उचित वजह पता चल पाएगी।

सरकार ने कहा वर्ष 2022 में घरेलू एयरलाइन में तकनीकी खराबी की 546 घटनाएं सामने आईं

नयी दिल्ली। सरकार ने बृहस्पतिवार को बताया कि पिछले वर्ष घरेलू विमानन कंपनियों को हवाई जहाजों के परिचालन संबंधी तकनीकी खराबी की 546 घटनाओं का सामना करना पड़ा। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में नागर विमानन राज्य मंत्री वी के सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीकी खराबी की इन घटनाओं में इंडिगो को 215 मामलों, स्पाइसजेट को 143 मामलों और विस्तारा को 97 घटनाओं का सामना करना पड़ा। नागर विमानन मंत्रालय द्वारा निचले सदन में पेश आंकड़ों के मुताबिक, एअर इंडिया को ऐसी 64 घटनाओं, गो फर्स्ट और आकाशा को क्रमशरू 7 और 6 घटनाओं का सामना करना पड़ा। वर्ष 2022 में दर्ज तकनीकी खराबी के मामलों में एयर एशिया में 8, एलायंस एयर में 3, फ्लाई बिग मे एक, ट्रू जेट में एक और ब्लू डार्ट एविएशन में एक घटनाएं दर्ज की गई। इसमें कहा गया है कि पिछले दो वर्ष में विमानन कंपनियों को तकनीकी खराबी की 1,090 घटनाओं का सामना करना पड़ा।

पंजाब सरकार 36 स्कूलों के प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर भेजेगी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित 36 स्कूलों के शिक्षक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए चार फरवरी को सिंगापुर जाएंगे। मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों से पहले राज्य की शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने की गारंटी दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं और वे शिक्षा के स्तर को उठा सकते हैं, इसलिए यह गारंटी दी गई थी कि उन्हें (शिक्षकों को) गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिलाकर उनके शिक्षण कौशल को बढ़ाया जाएगा। मान ने

कहा कि इस गारंटी के तहत 36 प्रधानाचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विदेश जाएंगे। एक सरकारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि वे सिंगापुर में छह से 10 फरवरी तक शिक्षकों के पेशेवर प्रशिक्षण संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे। वे 11 फरवरी को लौटेंगे। मान ने कहा कि इस कदम से राज्य भर के हजारों विद्यार्थी लाभान्वित होंगे क्योंकि ये प्राचार्य अपने सहकर्मियों और विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों की विशेषज्ञता और पेशेवर दक्षता को और बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में आग से 20 दुकानें जलकर खाक, कोई हताहत नहीं

हावड़ा। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में बृहस्पतिवार को तड़के आग लगने से कम से कम 20 दुकानें जलकर खाक हो गईं। एक अग्निशमन आधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी

के मुताबिक, घटना बगनान सेंट्रल बस स्टैंड से सटे रजिस्ट्री गली इलाके में हुई। आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि मौके पर दमकल की चार गाड़ियां भेजी गई। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस को संदेह है कि पहले शॉर्ट सर्किट की वजह से आग एक दुकान में लगी जो अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फैल गई। दुकानदारों ने इस घटना में एक करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का दावा किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शिक्षक से आतंकवादी बने शख्स को जम्मू–कश्मीर पुलिस ने किया गिरफ्तार, परफ्यूम आईईडी भी किया बरामद

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर पुलिस ने एक सरकारी स्कूल के शिक्षक से आतंकवादी बने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से एक परफ्यूम इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया है। पुलिस ने रियासी जिले के निवासी आरिफ को 21 जनवरी को जम्मू के नरवाल इलाके में हुए दोहरे विस्फोटों की जांच के दौरान गिरफ्तार किया था, जिसमें नौ लोग घायल हो गए थे।

जम्मू–कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कहा कि आरिफ के आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा से संबंध हैं। उसके पास से परफ्यूम की बोतल में रखा आईईडी बरामद किया गया। जम्मू–कश्मीर पुलिस प्रमुख ने कहा कि यह पहली बार है जब केंद्र शासित प्रदेश में इस तरह का बम बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब हमने एक परफ्यूम आईईडी बरामद

किया है। हमने इससे पहले कोई परफ्यूम आईईडी बरामद नहीं किया है। अगर कोई इसे दबाने या खोलने की कोशिश करेगा तो आईईडी विस्फोट कर देगा। हमारी विशेष टीम उस आईईडी को संभालेगी।"

सिंह ने कहा कि आरिफ कथित तौर पर अपने पाकिस्तानी आकाओं के इशारे पर काम कर रहा था और वैष्णो देवी तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर बमबारी में शामिल होने की बात स्वीकार की, जिसमें चार लोग मारे गए और 24 घायल हो गए। जम्मू–कश्मीर के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान ष्आतंकवाद फैलाने के लिए बदनाम हैष् और वह राज्य में लोगों के बीच ष्सांप्रदायिक विभाजनष् पैदा करना चाहता है। उन्होंने कहा, ष्जम्मू और कश्मीर कुछ समय के लिए निशाने पर है।ष्

चकबंदी अधिकारी मिल्कीपुर की मुख्यमंत्री से हुई शिकायत

पक्षकारों के प्रभाव में आकर एकपक्षीय निर्णय दिए जाने का लगाया आरोप

मिल्कीपुर–अयोध्या । चकबंदी अधिकारी मिल्कीपुर द्वारा राजस्व गांव पिठला के अभिलेखों में बैनामे के आधार पर दर्ज खातेदारों को बेदखल किए जाने का मामला प्रदेश के मुख्यमंत्री के दरबार जा पहुंचा है। पीड़ित खातेदार ने मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करते हुए चकबंदी अधिकारी मिल्कीपुर पर मुकदमे की सुनवाई के दौरान पक्षकारों के प्रभाव में आकर उनसे अनुचित अनुतोष प्राप्त करते हुए आदेश पारित किए जाने का आरोप लगाया है। बताते चलें कि मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र स्थित राजस्व गांव पिठला के राजस्व अभिलेखों में दर्ज गाटा संख्या 6 मि. में भूखंड का शिकायतकर्ता अरुण कुमार सिंह सहित रामऋषि एवं निर्मला देवी द्वारा बैनामा लिया गया था। जिसके आधार पर बैनामेदार राजस्व अभिलेखों सहित मौके पर काबिज एवं दखील चला आ रहे हैं। इस बीच न्यायालय चकबंदी अधिकारी मिल्कीपुर राकेश खन्ना द्वारा बीते 20 जनवरी 2023 को मुकदमा संख्या 644, 645, 805 व 806ध् 2023 में 17 अक्टूबर 1967 को पूर्व चकबंदी अधिकारी द्वारा पारित आदेश निरस्त कर दिया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि एक चकबंदी अधिकारी के आदेश को निरस्त किए जाने के लिए दूसरे चकबंदी अधिकारी को कानून में कोई अधिकार ही नहीं दिया गया है। विदित हो कि 2 – 2 बार चकबंदी प्रक्रिया समाप्त होने के उपरांत दो बार धारा 52 का प्रकाशन भी हो चुका है। चकबंदी अधिकारी ने मुकदमे के अन्य पक्षकार खतौनी में किस आधार पर इंद्राज किए गए हैं, इसका भी कोई न तो उल्लेख अपने द्वारा पारित आदेश में ही किया है और न ही पत्रावली में कोई साक्ष्य ही दाखिल कराया है।

पीड़ित खातेदार का आरोप है कि चकबंदी अधिकारी मिल्कीपुर राकेश खन्ना ने मुकदमे के अन्य पक्षकारों से दुरभि संधि करते हुए उनसे अनुचित अनुतोष प्राप्त कर प्रार्थी सहित अन्य बैनामेदारों की अपूर्णनीय हकतल्फी की है। चकबंदी अधिकारी द्वारा मुकदमे के कुछ पक्षकारों के प्रभाव में आकर एकपक्षीय निर्णय दिया है। पीड़ित का कहना है कि तत्कालीन गाटा संख्या 6 ङ में 146 बीघे 9 बिस्वा 10 धुर भूमि राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा जारी कई अधिसूचना के आधार पर आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के पक्ष में अधिग्रहित की गई थी।

जिसके आधार पर आज भी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा अपनी भूमि पर बाउंड्री वाल निर्माण करते हुए वृक्षारोपण इत्यादि कराया गया है। चकबंदी अधिकारी ने अपने आदेश में कृषि विश्वविद्यालय के खाते में दर्ज भूमि को यथावत रखते हुए इसी भूखंड में स्थित जूनियर हाई स्कूल पीपला की 40 बीघा भूमि को भी यथावत रखा है। पीड़ित का आरोप है कि मुकदमे के अन्य पक्षकारों द्वारा केवल आधार वर्ष खतौनी ही पत्रावली में दाखिल किया गया है। उक्त खातेदार किस आधार पर खतौनी में दर्ज किए गए हैं इसका कोई ठोस साक्ष्य चकबंदी अधिकारी द्वारा मुकदमे की सुनवाई के दौरान नहीं लिया गया है, जो चकबंदी अधिकारी की निष्ठा को स्वयं प्रमाणित कर रहा है। उधर आरोपों से घिरे चकबंदी अधिकारी राकेश खन्ना का कहना है कि जो पक्ष मुकदमे में हारता है वह शिकायत करता ही है। उन्होंने किसी के प्रभाव में आकर एकपक्षीय निर्णय दिए जाने से इनकार किया है।

केक काट कर मनाया 140वां डाक जीवन बीमा दिवस

आयकर छूट के लिए अपनाए डाक जीवन बीमा : राजेश्वर दूबे

अयोध्या। मण्डलीय डाकघर कार्यालय में अधिकारियों कर्मचारियों ने पीएचआई का 140वां केक काटकर जश्न मनाया इस दौरान मण्डल के परिवाद निरीक्षक राजेश्वर दूबे ने बताया कि देश के सरकारी सेवक को बीमा का लाभ देनें के लिए डाक जीवन बीमा योजना 1 फरवरी 1884 में प्रारम्भ किया गया । सभी बीमा कम्पनियों से कम किश्त और सभी से अधिक बोनस के साथ भुगतान देनें वाली डाक जीवन बीमा योजना भारत सरकार ने भारतीय डाक विभाग से लाभ देनें का निर्णय लिया गया । इस बीमा योजना की लोकप्रियता और आकर्षण को देखते हुए भारत सरकार ने देश के ग्रामीण किसान, आम नागरिक को ग्रामीण डाक जीवन बीमा का तोहफा वर्ष 1995 में दिया । विकास अधिकारी चन्द्रेश वर्मा ने बताया कि इस डाक जीवन बीमा योजना पर अन्य खर्चों को कम करके अधिक से अधिक भुगतान लाभ ग्राहक को दिया जाता है साथ साथ प्रत्येक माह किसी भी डाकघर में आसान किश्त जमा करने की सुविधा उपलब्ध कराया गया वार्षिक, अर्द्ध वार्षिक किश्तों को जमा करने पर छूट भी दिया जाता है ।

सरकारी कर्मचारियों के लिए (प्राइमरी व जूनियर हाईस्कूल आध्यपको) खास है डाक जीवन बीमा (पीएलआई) योजना क्योंकि किसी भी बीमा कम्पनी से कम किश्त एवं अधिक बोनस एवं 80ब के तहत आयकर में छूट भी पाए । डाक जीवन बीमा पहले केवल सरकारी कर्मचारियों (अध्यापक ,पुलिस, सविदा कर्मी निगम कर्मचारियों तथा इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, ठमक डिग्री धारक, स्नातक आदि) के लिए विशेष बीमा योजना है। अन्य किसी भी बीमा कम्पनियों से कम किश्त एवं अधिक बोनस देय है। मतलब आपका पूरा पैसा आपके पॉलिसी में तथा आयकर में छुट व लोन की भी सुविधा उपलब्ध है इस दौरान मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह, शैलेश शर्मा, धीरेंद्र दूबे, जितेन्द्र सिंह, कुसुमलता, स्वाति आदि मौजूद रहे ।

प्रदेश में भयमुक्त वातावरण का किया गया है निर्माण : नंदी

–निवेशकों का निवेश किया हुआ एक–एक पायी रहेगा सुरक्षित व संरक्षित

अयोध्या। माह फरवरी 2023 में प्रथम ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु जनपद के निवेशकों को आकर्षित करने के लिए जनपद स्तरीय इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन आयुक्त कार्यालय के गांधी सभागार में किया गया। अयोध्या इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन नंद गोपाल गुप्ता नंदी मंत्री औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई निवेश उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा अपने उदबोधन में जनपद में लगभग 19,042.82 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निवेशकों को सरकार द्वारा प्रदान की जा रही प्रोत्साहन सुविधाएं सहजता से उपलब्ध करायें जाने का भरोसा दिलातें हुए प्रदेश के अर्थिक विकास हेतु निवेशकोंध्उद्यमियों से अधिक से अधिक निवेश करने की अपेक्षा की गई। उन्होंने कहा है कि सभी निवेशक भाईयों का निवेश किया हुआ एक–एक पायी सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था के द्वारा भयमुक्त वातावरण का निर्माण किया गया है। इसमें सभी निवेशक भाई आज मंच पर आकर अपने निवेश की पूंजी के बारे में बता रहे है। इस अवसर पर जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कहा कि अयोध्या में पर्यटन एवं संस्कृति के क्षेत्र में बड़ी तेजी से विकास हो रहा है। जनपद में निवेश सुरक्षित एवं संरक्षित रहने के साथ अन्य निवेशकों को भी आकर्षित करेगा। जनपद में निवेश की आपार संभावनायें है। जिलाधिकारी द्वारा निवेशकों को भरोसा दिलाया गया कि निवेश हेतु निवेशकों से प्राप्त सुझाव के अनुसार जनपद में औद्योगिक विकास के अनुकुल वातावरण का सृजन किया जायेगा। इस अवसर पर जिलाधिकारी नितीश कुमार ने उद्योग से जुड़े हुये विशिष्ट व्यक्तियों के अलावा विधायक रूदौली राम चन्द्र यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोहित सिंह भी उपस्थित रहें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज जी ने कहा कि अयोध्या में विशेष सुरक्षा व्यवस्था बनी रहेगी। हम सभी निवेशकों को विश्वास दिलाते है कि उन्हें जनपद अयोध्या में किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नही होगी। उद्घाटन समारोह के उपरान्त उपायुक्त उद्योग, अमरेश कुमार पाण्डेय द्वारा एम0एस0एम0ई0 नीति–2022 एवं आगामी 10 से 12 फरवरी, 2023 को आयोजित इंवेस्टर समिट के बारें में विस्तार से बताया गया। क्षेत्रीय प्रबन्धक यू0पी0 सीडा, के0एन0 श्रीवास्तव, संयुक्त निदेशक एच0पी0 सिंह एवं उपायुक्त उद्योग अमरेश कुमार पांडेय द्वारा अपने–अपने विभागों में चल रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी निवेशकों को दी गयी।

इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा प्रोत्साहन से सम्बन्धित प्रोत्साहन नीतियों यथा टेक्सटाइल पालिसी–2022 एम0एस0एम0ई0 नीति–2022, आई0आई0ई0पी0 पालिसी–2022 पर्यटन नीति–2022 तथा बैक द्वारा संचालित वित्तीय योजनाओं का पावर पॉइट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुतिकरण किया गया। इन्वेस्टर्स समिट–2023 में जनपद अयोध्या में अब तक एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र में रू0 527. 20 करोड़, यू0पी0 सीडा में रू0 845 करोड़, पर्यटन में रू0 6176. 15 करोड़, अयोध्या तथा विकास प्राधिकरण में रू0 4037 करोड़ कुल मिलकर रू0 19,042.82 करोड़ निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है, जिसमें 44,997 रोजगार का सृजन होगा।

इन्वेस्टर्स समिट में मा0 मंत्री औद्योगिक विकास उ0प्र0 लखनऊ द्वारा औद्योगिक एवं आर्थिक विकास में उत्कृष्ट योग्यदान हेतु निवेशकोंध्उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र, से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के विधायक रामचन्द्र यादव द्वारा जनपद के निवेशकों को अधिक से अधिक निवेश करने हेतु प्रोत्साहित किया और हर प्रकार से सहयोग का आश्वासन दिया। आईआईए के जिलाध्यक्ष एस0पी0 सिंह एवं लघु उद्योग भारती के जिला इकाई के अध्यक्ष अविनाश चन्द्रा ने महत्वपूर्ण सुझाव दिया। जैगरी एसोसिएशन के अध्यक्ष अविनाश चन्द्र दूबे व आरपी मिश्रा द्वारा 21 किलों की माला एवं बुके से मंत्री एवं मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। इन्वेस्टर्स समिट में लगभग 214 निवेशकध्उद्यमीध्एफपीओ आदि का पंजीकरण किया गया। अयोध्या इन्वेस्टर्स समिट में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती अनिता यादव, धीरज राजपाल सचिव आईआईए, ... एसबी सिंह, ... देवेन्द्र राय, अ... ाकारी, सम्मा... मीडिया कर्मी ... व्यक्ति उपस्थि...

दो कारों में आमने-सामने की टक्कर में तीन घायल

मिल्कीपुर–अयोध्या। चौकी क्षेत्र बारुन बाजार के चमनगंज में आमने–सामने से दो कारों की टक्कर में तीन लोग घायल हो गए। फैजाबाद से पशु चिकित्सालय मिल्कीपुर ड्यूटी जा रहे पशुधन प्रसार अधिकारी आलोक कुमार सिंह तथा कुमारगंज से फैजाबाद दवा लाने जा रहे मो आबिद की कारों के बीच चमनगंज बाजार में बैंक ऑफ बड़ौदा के निकट सड़क पर दिन में 11बजे आमने–सामने से जोरदार टक्कर हो गई ।जिसमें स्विफ्ट डिजायर सवार नवाब अली(60)पुत्र अजमतउल्लाह एवं मो आबिद अली(52) पुत्र मोहम्मद हनीफ निवासीगण कुमारगंज बुरी तरह से जख्मी हो गए ।जबकि टाटा टियागो सवार पशुधन प्रसार अधिकारी आलोक कुमार सिंह को भी काफी चोटें आईं ।घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी बारुन बबलू कुमार ने घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंचाया ।जहां डाक्टरों ने स्थिति गंभीर होने के कारण नवाब अली एवं मो आबिद अली को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

10 बजे तक डोर टू डोर अभियान' का जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर सूबे के सभी निकायों में आज से '10 बजे तक डोर टू डोर' अभियान प्रारंभ हो गया है। प्रार्थना, सहभागिता और जुर्माना के आधार पर चलने वाले इस तीन चरणों के अभियान को जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने डोर टू डोर की गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर अभियान का शुभारंभ किया। अभियान में शामिल कलेक्शन की गाडियों को फूल मालाओं से सजाए गया था। इसके साथ ही आकर्षक झांकी एवं स्वच्छता गीतों की धुनों पर डोर टू डोर की गाड़ियां जिलाधिकारी कार्यालय से रामबाग, संकटमोचन, वासलीगंज होते हुए घन्टाघर में समापन किया गया। अभियान के प्रथम दिन लोगों को अपने मकानों एवं प्रतिष्ठानों से निकलने वाले गीले और सूखे कूड़े को अलग अलग रूप में कर्मचारियों को देने, खुले में कूड़ा न फेंकने को लेकर जागरूक किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने पत्रकारों को कपड़े के झोले का भी वितरण कर स्वच्छता का संदेश भी दिया।

मुकदमा दर्ज न होने से आंदोलित हुआ प्रधान संघ

मवई–अयोध्या। प्रधानपति व सचिव के बीच विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। 24 घंटे बीत जाने के बाद भी प्रधानपति द्वारा दी गई तहरीर पर मवई पुलिस ने मुकदमा दर्ज नही किया है जिससे आंदोलित ग्राम प्रधानों के समर्थन में अब प्रधान संघ भी आ गया है। बताते चलें कि अखिल भारतीय प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में ग्राम प्रधानों के साथ दुल्लापुर पंचायत भवन पर बैठक हुई ।बैठक में प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह ने कहा कि सिपहिया कोटवा गांव की प्रधान हेमा यादव के पति योगराज यादव व सचिव के बीच मारपीट के मामले में सचिव की तरफ से मवई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है ।और प्रधानपति योगराज यादव की तरफ से दी गई तहरीर पर पुलिस ने अभी तक मुकदमा दर्ज नही किया है ।उन्होंने पुलिस प्रशासन को चुनौती देते हुए कहाकि यदि प्रधानपति का मुकदमा दर्ज नही हुआ तो जिले के सभी प्रधान धरना पर बैठने पर बाध्य होंगे ।हालांकि मवई ब्लाक के सभी ग्राम प्रधानों ने अनिश्चित कालीन के लिए पंचायत कार्य का बहिष्कार किया है। इस संबंध में प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह ने मवई थाना प्रभारी निरीक्षक ओपी तिवारी को अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है ।जिलाध्यक्ष ने ज्ञापन के माध्यम से कहाकि प्रधानपति योगराज यादव पर अविधिक रूप से लगाई धाराओ में 307 तत्काल हटाई जाय ।मुकदमा दर्ज किया जाय और आरोपी सचिव विजय कुमार को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए,यदि ऐसा नही हुआ तो संगठन धरने पर बैठने को मजबूर होगा। इस दौरान प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह, मवई प्रधान संघ अध्यक्ष पवन वर्मा,रूदौली प्रधान संघ बलभद्र यादव,प्रधान राजेश यादव,सुजीत सिंह,संतोष यादव,सुनील मिश्रा, पवन यादव,भानु यादव,साकिब अली,दीप चन्द्र यादव,रामू रावत,समीम अहमद,अवधेश यादव,हिमांशु निषाद,लालता प्रसाद,विक्रमा यादव,राम नरेश गुप्ता,दुर्गा प्रसाद यादव आदि ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

बाइक से गिर कर दो जख्मी

मड़िहान, मीरजापुर। राजगढ़ थाना के पास बाइक के अनियंत्रित होकर खाई में चले जाने से गिरकर दो छात्र जख्मी हो गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ में उपचार के बाद एक की हालत गंभीर देख वाराणसी रेफर कर दिया गया है। चंदौली जिले के लवंडा झांसी गांव निवासी आदित्य कुमार 18 व सोनभद्र के घोरावल गांव निवासी चंदन मौर्य 19 कृषक महाविद्यालय के हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं।

एक बार पुनः ईट भट्ठा मजदूर के लड़कियों के साथ दुष्कर्म का प्रयास व अपहरण

अपर पुलिस अधीक्षिका के पहल पर पुलिस सक्रिय

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। जनपद मुख्यालय के थाना बलरामपुर देहात के ग्राम सोनपुर नैनपुर के निकट ईट भट्टे पर ईट बथाई मजदूरी का कार्य कर रही दो बहनों को अगवा कर दुष्कर्म व छेड़छाड़ करने का मामला प्रकाश में आया है जिसमें पीड़िता की एक नाबालिग बहन का 3 दिनों के बाद भी कोई अता पता नहीं है जिससे पीड़िता के परिवार वालों का रो–रो कर बुरा हाल है बताते चलें कि प्रदेश सरकार जहां एक तरफ ऐसे अपराधों पर रोक लगाने का भरसक प्रयास कर रही है परंतु समाज के कुछ ऐसे अराजक तत्व हैं जो अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं और स्थानीय पुलिस प्रशासन व सरकार की किरकिरी कर रहे हैं बताते चलें कि इसी मामले में विगत कुछ दिनों पूर्व उक्त लड़की को ही उसी मामले में सूरज नाम का लड़का निवासी गोड़वा घाट गोंडा भगा ले गया था जिसे पुलिस ने लड़की को बरामद कर लड़के को जेल भेजा था इसके बाद लड़के के परिवार वालों ने एक बार पुनः लड़कियों को जबरन उठा ले जाने व दुष्कर्म का प्रयास किया गया घटना की शिकायत अपर पुलिस अधीक्षिका नम्रता श्रीवास्तव के पहल पर तेजी आई है देखना इस बार ऐसे समाज विरोधी अराजक तत्वों पर पुलिस क्या कार्यवाही करती है।

ग्राम न्यायालय संचालित न किए जाने को लेकर अधिवक्ता मिले ज्वाइंट मजिस्ट्रेट से

मीरजापुर। उपरौध अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला के अध्यक्षता में अधिवक्ता सभागार में एक आवश्यक बैठक की गई बैठक में अधिवक्ताओं द्वारा ग्राम न्यायालय संचालित न किए जाने पर क्षोभ ब्यक्त किया गया। अधिवक्ताओं ने प्रस्ताव की कॉपी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नवनीत सेहरा को सौंपा गया पत्रक लेते हुए उन्होंने जिला अधिकारी के यहां भेजने का आश्वासन दिये। बैठक में अधिवक्ताओं ने ग्राम न्यायालय संचालित न किए जाने को लेकर क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि तहसील मड़िहान चुनार अन्य तहसीलों में ग्राम न्यायालय संचालित कराया जा रहा है किंतु लालगंज में ग्राम न्यायालय संचालित नहीं हो रहा है अनदेखी किया जा रहा है। जब कि मध्य प्रदेश बॉर्डर के फरियादी ग्राम न्यायालय ना होने की वजह से मिर्जापुर जाने के लिए 1 दिन पहले जाना पड़ता है ऐसे में लालगंज तहसील में ग्राम न्यायालय संचालित किया जाना न्याय हित में अत्यंत आवश्यक है। अधिवक्ताओं द्वारा ग्राम न्यायालय संचालित किए जाने के लिए कई बार उच्चाधिकारियों के यहां पत्र देने के बावजूद भी आज तक ग्राम न्यायालय संचालित नहीं किया गया जिससे हम अधिवक्ता गण ग्राम में संचालित कराने के लिए अब अनशन करने के लिए बाध्य होंगे ।प्रस्ताव की कॉपी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नवनीत सेहरा को सौंपते हुए कहा कि ग्राम न्यायालय संचालित कराया जाए ।ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने पत्रक लेते हुए जिलाधिकारी के यहां भेजने का आश्वासन दिए ।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अनिल शुक्ला एड, सचिव हृदय शंकर चतुर्वेदी , पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार त्रिपाठी, राजेन्द्र प्रसाद मौर्य, अनिल सिंह, कुबेर मौर्या, राजमणि, विनोद कुमार मौर्य ,संतोष त्रिपाठी, चंद्र दत्त त्रिपाठी, कमलेश मिश्रा, शिवम कुमार पांडे, विपिन तिवारी, संतोष मिश्रा, एसपी सिंह, आदि लोग उपस्थित रहे.

आवसीय जमीन का अभिलेख पाकर गदगद हुए पुराने बाशिंदे

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी,सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के खेसरहा तप्पा अंतर्गत बेलवालगुनही गाँव में अनारक्षित बंजर भूमि पर गाँव के 28 गरीबों का कुनबा बर्षों से घर बना कर आबाद था! क्षेत्रीय भाजपा विधायक व पूर्व मन्त्री राजा जय प्रताप सिंह के प्रयास से लोगों के कब्जे की जमीन को लेखपाल के रिपोर्ट पर आबाद लोगों के नाम कर दिया गया विधायक सिंह के हाथों उक्त आदेश की प्रति प्राप्त कर सभी लाभार्थी खुशी से गदगद हो गए वैसे तो विगत 28 जनवरी को ही खेसरहा थाने पर आयोजित समाधान दिवस के मौके पर इस प्रकरण के पहुंचने पर गरीबों के कब्जे वाली जमीन को लेखपाल की रिपोर्ट के आधार पर गरीबों के नाम आवंटित करने की औपचारिक घोषणा कर दी गई थी। जिसे बृहस्पतिवार को क्षेत्रीय विधायक की उपस्थिति में पूरा कर दिया गया। तहसील सभागार में आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान बेलवालगुनही गाँव के 28 गरीबों के आवासीय भूमि जोकि अनारक्षित बंजर भूमि थी, उपजिलाधिकारी बांसी प्रमोद कुमार के आदेश से गरीबों के नाम आवंटित हो चुकी थी। प्रशासन द्वारा आवंटित आवासीय भूमि के मालिकाना हक केआदेश की प्रति विधायक सिंह के हाथों पाकर गाँव के सरवर अली, मो0रफीक, शमशेर, अब्दुल कादिर, अकरम अली, हफीजुल्लाह, सबरुन्निशा, महमूदुल पुत्र टीहुल, सफीक, अकबर अली, छबिलाल, रईस, श्यामू, रामू, जब्बार, बाबुल्लाह, हाजरा खातून, लक्ष्मी, सर्वजीत, मासूक, अलीरजा, सई मोहम्मद, कैसा, किताबुल्लाह, रामजीत, सुमाऊ आदि कुल 28 लोग खुशी से गदगद हो गए। इसके लिए लोगों ने सरकार के सबका साथ सबका विकास की तारीफ की प्रशंसा करते हुए क्षेत्रीय विधायक व उपजिलाधिकारी को धन्यवाद दिया। विधायक सिंह ने लोगों से कहा कि सरकार सबका साथ सबका विकास व सबका प्रयास के एजेंडे पर निरंतर प्रयास कर रही है! सरकार की मंशा के अनुरूप किए जा रहे कार्यों की कडी में गरीबों को आवासीय भूमि उपलब्ध कराना भी एक छोटा सा प्रयास है। इस दौरान लाभार्थियों के साथ उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, तहसीलदार डा0संजीव दिक्षित, जोगी इब्राहिम आदि सहित क्षेत्रीय लेखपाल व राजस्व निरीक्षक भी मौजूद रहे।

अपर उपजिलाधिकारी सन्त कुमार तथा ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शिवपूजन को दी गई विदाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। अपर उपजिलाधिकारी सन्त कुमार तथा ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शिवपूजन अपनी सेवा का कार्यकाल पूर्ण करके सेवानिवृत्त हो गये है। इन दोनो कर्मचारियों की जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर की उपस्थिति में विदाई समारोह का कार्यक्रम कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। दोनो कर्मचारियों को फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह, सूटकेश, छाता और छड़ी देकर विदाई दी गयी। कार्यक्रम का संचालन नाजिर सदर गिरीश मिश्रा द्वारा किया गया। अपर उपजिलाधिकारी सन्त कुमार तथा ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शिवपूजन की विदाई के अवसर पर जिलाधिकारी संजीव रंजन ने सेवा निवृत्त दोनो अधिकारियों को बधाई दी। जिलाधिकारी ने कहा कि विदाई देना दुखदाई होता है। अपने 09 माह के कार्यकाल में सबसे ज्यादा अपर उपजिलाधिकारी सन्त कुमार के साथ बैठा हूँ। अपर उपजिलाधिकारी द्वारा कई विभागो का अतिरिक्त प्रभार दिया गया जिसका इनके द्वारा निर्वहन किया गया। सैनिक कल्याण विभाग का अपना ऑफिस नही है जिसके लिए भूमि आंवटित कराई गयी। अपर उपजिलाधिकारी बहुत ही सौम्य और सुशील है। ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शिवपूजन एक अच्छे कर्मचारी है। सेवानिवृत्ति के अन्तिम समय में भी अपने दायित्वों के प्रति सजग रहे। काम के प्रति दोनो कर्मचारी सजग रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करते थे। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने दोनो अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। अपने जीवन में खुशहाल रहे तथा अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखे। अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर ने अपर उपजिलाधिकारी सन्त कुमार तथा ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शिवपूजन को सेवानिवृत्ति के अवसर पर कहा कि मेरे 10 माह के कार्यकाल में अच्छे ढंग से अपने दायित्वो का निर्वहन किया गया। किसी भी काम में पीछे नही रहे। ज्येष्ठ प्रशासनिक अधिकारी सौम्य स्वभाव के है। इन दोनो अधिकारियों का लम्बा सेवाकाल रहा है। दोनो अधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। विदाई समारोह कार्यक्रम के अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त उपजिलाधिकारी नौगढ़ ललित कुमार मिश्र, तहसीलदार नौगढ़ ऋषि राम रमन, जिलाध्यक्ष कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ प्रेमसागर चौधरी, मंत्री दिलीप कुमार, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनरूद्ध कुमार मिश्र, ओमप्रकाश पाण्डेय, सूर्यलता श्रीवास्तव, रामकेवल, उमाकान्त मिश्रा, तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुगर जांच की व्यवस्था नही, मरीज परेशान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। कस्बा में स्थित सीएचसी उसका बाजार पर सुगर के मरीजो के सुगर लेवल की जांच की व्यवस्था नही है। सुगर जांच की व्यवस्था न रहने से मरीज काफी परेशान है। मजबूरी में बाहर प्राइवेट पैथालॉजी पर जांच करा रहे है। कस्बा के तेतरी चौराहा के निवासी मदन जायसवाल ने बताया कि दो माह से सुगर जांच अस्पताल पर नही हो रहा है। सीएचसी में स्थित पैथालॉजी पर जाने पर सुगर जांच की किट नही है। यह कहकर वापस कर दे रहे है। मजबूरी में बाहर जांच कराना पड़ रहा है। सीएचसी उसका बाजार के प्रभारी एसके पटेल ने बताया कि यूरीन और स्टीन से जांच की जाती है लेकिन ग्लूको मीटर मशीन सीएचसी पर उपलब्ध नहीं की गई है। कस्बा के राजनरायन, अनूप मोदनवाल, संजय जायसवाल आदि ने सीएमओ से सीएचसी पर सुगर जांच की व्यवस्था करने की मांग की है।

आरएएफ के जवानों ने पैदल गश्त कर दिलाया सुरक्षा का भरोसा''

दैनिक बुद्ध का सन्देश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। उसका बाजार में बृहस्पतिवार को

पुलिस व आरएएफ प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु यादव सहित उसका बाजार बलजीत राव के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने गश्त किया। थाना प्रभारी ने क्षेत्रो में पुलिस के जवान के साथ गलियों, बाजारों, भीड़भाड़ जगह के साथ साथ उसका राजा पुलिस बूथ, कस्बा के टैक्सी स्टैंड तेतरी तिराहा सहित अन्य संदिग्ध स्थानों पर पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। थाना प्रभारी बलजीत राव ने बताया कि पैदल गश्त कर सुरक्षा का संदेश देना हैं उन्होंने कहा कि कमजोर वर्ग खुद्द को असुरक्षित न समझें पुलिस सुरक्षा के लिए दिन रात मुस्तैद है और अपराधिक गतिविधियों पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने के लिए पुलिस जगह जगह गश्त के लिए लगाया गया है।

दंगा नियंत्रण बल ने नेपाल सीमा अलीगढ़वा में किया पैदल गस्त

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कपिलवस्तु,सिद्धार्थनगर। रैपिड एक्शन फोर्स ने सिद्धार्थ नगर जिले में क्राइम क्षेत्र को संभालने के लिए एरिया में परिचितीकरण

अभ्यास में रैपिड एक्शन फोर्स के सहायक कमांडेंट जीतेंद्र कुमार शर्मा, त्वरित कार्यवाही बटालियन लखनऊ ने नेपाल सीमा अलीगढ़वा कस्बा में कोतवाली पुलिस बल के साथ पैदल गस्त किया। तत्पश्चात आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की गोपनीय तौर पर सूचना एकत्रित किया। सहायक कमांडेंट ने बताया कि क्षेत्र में आकस्मिक दंगा होने के पश्चात उसको कितना जल्दी नियंत्रण किया जाय उसको लेकर पुलिस बल के साथ मार्च करने के पश्चात क्षेत्र के क्राइम बाहुल्य क्षेत्र के बारे में जानकारी ली जा रही है। जिले में दो तारीख से सात फरवरी तक डोमिनेट किया जायेगा। जिसमे जिले के सभी थाना क्षेत्र का भ्रमण किया जायेगा। बल में महिला उप निरीक्षक रैपिड फोर्स मुन्नी यादव के साथ तैनात महिला आरक्षी कमला, उर्मिला, रेनू, दिव्यानी, रूपमाला देश की सुरक्षा में शामिल होना,महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। इनसे प्रेरित होकर महिलाओ को आत्म बल स्वाभाविक है। गस्त के बाद सभी जवानों ने बुद्ध की क्रीड़ा स्थली का भ्रमण किया। स्तूप पर बुद्ध के जीवनी पर भंतो से जानकारी ली,नमन किया। सिद्धार्थ विश्व विद्यालय का भी भ्रमण किया गया। गस्त के दौरान सीओ सदर अखिलेश कुमार वर्मा, कोतवाली के एस आई अशोक कुमार, नंदलाल, शशिभूषण, चौकी प्रभारी बजहा अरविंद कुमार, गौरव यादव, राजन, महिला आरक्षी श्रुति मिश्रा, सहित सभी जवान शामिल रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत प्री–ट्रायल बैठक का आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किए जाने के सम्बन्ध में आज दिनांक 02–02–2023 को अंगद प्रसाद–प्रथम, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, सिद्धार्थनगर की अध्यक्षता में प्री–ट्रायल बैठक का आयोजन। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ, के निर्देशानुसार आज दिनांक 02–02–2023 को अंगद प्रसाद–प्रथम, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, सिद्धार्थनगर की अध्यक्षता में दिनांक 11–02–2023 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक मामलों को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किए जाने हेतु प्री–ट्रायल बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में कु0 रिंकू अपर प्रधान

न्यायाधीश परिवार न्यायालय सिद्धार्थनगर, ब्रिजेश कुमार–द्वितीय अपर जनपद न्यायाधीशध्पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्घार्थनगर व परिवार न्यायालय के परामर्शदातागण, मध्यस्थता केन्द्र के मध्यस्थगण एवं पारिवारिक मामलों से सम्बन्धित अधिवक्तागण उपस्थित रहे। अंगद प्रसाद–प्रथम, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, सिद्धार्थनगर द्वारा बैठक में दिनांक 11–02–2023 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक पारिवारिक मामलों को निस्तारित किये जाने पर बल दिया गया तथा परिवार न्यायालय के परामर्शदाता, मध्यस्थता केन्द्र के मध्यस्थगण एवं पारिवारिक मामलों से सम्बन्धित अधिवक्तागण के साथ अधिक से अधिक पारिवारिक वादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित किये जाने पर विचार–विमर्श किया गया। कु0 रिंकू अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, सिद्धार्थनगर द्वारा पारिवारिक मामलों से सम्बन्धित अधिवक्तागण से पारिवारिक वादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराये जाने की अपेक्षा की गयी। ब्रिजेश कुमार–द्वितीय अपर जनपद न्यायाधीशध्पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्घार्थनगर द्वारा उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण, मध्यस्थगण एवं परामर्शदातागण से राष्ट्रीय लोक अदालत की भव्य सफलता हेतु विस्तृत चर्चा की गयी। उपस्थित मध्यस्थगण एवं परामर्शदातागण द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग की बात कही गयी।

विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। डीपीएस मेमोरियल स्कूल महदेवा दूबे में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।जिस में बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण ,प्रदूषण मुक्त ,जल संसाधन आदि कलाकृतियां सजायी गई।जिस में मुख्य अतिथि सतीश चंद्र मिश्र ने प्रतिभावान बच्चों की कलाकृतियों की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किए । उक्त अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सतीश चंद्र मिश्र ने कहा विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।इस से प्रतिभावान एवं मेधावी बच्चों की कला कृतियां उनके कर्मठता, निष्ठा,एवं जिज्ञासा का बेहतरीन परिचायक है।उनकी लगन और तत्परता से उनका भविष्य प्रशस्त होता रहेगा। उन्हों ने सभी बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें सफलता के ऊंचे शिखर पर पहुंचने के लिए आशीर्वाद दिए।इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा बच्चों के प्रतिभा को निखारने के लिए वह हर सम्भव प्रयत्न करने को तैयार हैं।आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। इन्हीं बच्चों के ऊपर कल देश का भार होगा।प्रदर्शनी में विद्यालय के चेयरमैन गिरजेश प्रताप सिंह,प्रधानाचार्य बृजेश कुमार,आदर्श प्रताप सिंह के अलावा विद्यालय के सभी अध्यापक,अध्यापिका समेत समस्त छात्र और छात्राएं मौजूद रहे।

सांसद ने की बौद्ध संस्कृति और विरासत के लिए एक कन्वेंशन केंद्र स्थापित करने कि मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद जगदंबिका पाल ने आज लोकसभा में नियम 377 के तहत अपने संसदीय क्षेत्र डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर में बौद्ध संस्कृति और विरासत के लिए एक कन्वेंशन केंद्र स्थापित करने कि मांग किया। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर भगवान बुद्ध के जन्म स्थान के रूप में प्रसिद्ध है, जहां उन्होंने अपने जीवन के पहले 29 वर्ष बिताए थे। सांसद जी ने आगे कहा कि लोगों की सामाजिक–आर्थिक स्थितियों के आधार पर नीति आयोग द्वारा 112 आकांक्षी जिले में से एक है। जगदंबिका पाल ये भी कहा कि सिद्धार्थनगर के लोग आकांक्षी जिले के रूप में सिद्धार्थनगर की पहचान करने और जिले में विकास और समृद्धि लाने के लिए राष्ट्रीय प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने, साथ ही दृष्टि और नेतृत्व प्रदान करने के लिए वो माननीय प्रधानमंत्री जी का बहुत आभारी हैं। सांसद जी ने आगे कहा कि सिद्धार्थनगर बौद्ध तीर्थयात्रा के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है और हर साल हजारों बौद्धों के साथ–साथ विदेशी पर्यटक भी कपिलवस्तु आते हैं। इसलिए, बौद्ध तीर्थयात्रियों और अन्य उद्देश्यों की सुविधा के लिए कपिलवस्तु में बौद्ध संस्कृति और विरासत के लिए एक कन्वेंशन केंद्र स्थापित करना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। सांसद ने कहा कि बोध महोत्सव, बौद्ध सम्मेलन, एसोसिएशन ऑफ बुद्धिस्ट टूर ऑपरेटर्स (एबीटीओ) जैसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आयोजकों को निजी स्थान की तलाश करनी पड़ती हैं। कन्वेंशन सेंटर बनने से यह समस्या दूर हो जाएगी। साथ ही यह न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा बल्कि स्थानीय विक्रेताओं के लिए व्यापार के अवसर भी प्रदान करेगा। अंत में उन्होंने कहा कि बड़ी भागीदारी के लिए बड़े आध्यात्मिक और बौद्ध कार्यक्रम, व्यापारिक सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

सम्पादकीय

यह तो संधि की धारा 9 का उल्लंघन है। अब भारत की सहमति के बिना ही पाकिस्तान हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की शरण में चला गया है। इसी से नाराज होकर भारत ने अब पाकिस्तान को 90 दिन का नोटिस दे दिया है लेकिन आश्चर्य है कि हमारे विदेश मंत्रालय ने हेग के न्यायाधीशों को अभी तक संधि के नियमों के इस...

पाकिस्तान अदालत की शरण में

भारत और पाकिस्तान के बीच अब ऐसे मामले पर विवाद उठ खड़ा हुआ है, जिसे सारी दुनिया के देश एक आदर्श संधि मानते रहे हैं। अब से 62 साल पहले जवाहरलाल नेहरु और अयूब खान के प्रयत्नों से सिंधु नदी के पानी को लेकर दोनों देशों के बीच सिंधु जल संधि हुई थी, उसका पालन कई युद्धों के दौरान भी होता रहा लेकिन भारत ने अब संधि के नियमों का हवाला देते हुए इसके प्रावधानों को बदलने की पहल की है। भारत ने पाकिस्तान को 90 दिन का नोटिस दिया है कि दोनों देश मिलकर अब संधि के मूलपाठ में संशोधन करें। संशोधन क्या–क्या हो सकते हैं, यह भारत सरकार ने अभी स्पष्ट नहीं किया है लेकिन जाहिर है कि वह ऐसे नियम अब बनाना चाहेगी कि जैसा तूल इस संधि ने अभी पकड़ा है, वैसा भविष्य में दोहराया न जाए। अभी भारत और पाकिस्तान के बीच जो विवाद चला है, वह इस बात पर है कि पाकिस्तान ने भारत की शिकायत हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय को कर दी है और उससे आग्रह किया है कि दोनों के मतभेद पर वह अपना पंच फैसला दे या मध्यस्थता करे। मूल संधि के अनुसार किसी भी आपसी विवाद को लेकर अंतरराष्ट्रीय अदालत में जाना तीसरा विकल्प है। पहले दो विकल्प हैं– या तो सिंधु आयोग में जाना या फिर किसी तटस्थ मध्यस्थ की सहायता लेना। भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद छिड़ा, दो बांधों को लेकर, जो भारत बनवा रहा था। भारत उन नदियों पर, जिनका ज्यादातर पानी पाकिस्तान जाता है, दो बांध बनवा रहा है। किशनगंगा और रातले पनबिजली योजनाओं से पाकिस्तान अपने लिए बड़ा खतरा महसूस कर रहा है। ये दोनों पनबिजली परियोजनाएं झेलम और चिनाब नामक नदियों पर बन रही हैं। पाकिस्तान को डर है कि इन बांधों के जरिए पाकिस्तान को जानेवाले पानी को न केवल भारत रोकेगा बल्कि बांधों को अचानक खोलकर पाकिस्तान को बाढ़ में डुबाने की कोशिश भी करेगा। पाकिस्तान ने जब यह आपत्ति की तो सिंधु आयोग कोई फैसला नहीं कर सका। इस आयोग में दोनों देशों के अफसर शामिल हैं। तब पाकिस्तान ने पहल की कि कोई तीसरा तटस्थ व्यक्ति मध्यस्थता करे। पाकिस्तान की यह पहल सिंधु जल संधि के अनुकूल थी लेकिन 2015 में की गई इस पहल को अचानक 2016 में उसने वापस ले लिया। इसका कोई कारण भी उसने नहीं बताया। यह तो संधि की धारा 9 का उल्लंघन है। अब भारत की सहमति के बिना ही पाकिस्तान हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय की शरण में चला गया है। इसी से नाराज होकर भारत ने अब पाकिस्तान को 90 दिन का नोटिस दे दिया है लेकिन आश्चर्य है कि हमारे विदेश मंत्रालय ने हेग के न्यायाधीशों को अभी तक संधि के नियमों के इस उल्लंघन के बारे में क्यों नहीं बताया? बेहतर तो यह होगा कि भारत हेग न्यायालय की मध्यस्थता को ही अस्वीकार कर दे। हेग के न्यायाधीशों ने क्या सिंधु जल–संधि के नियमों को पढ़े बिना ही इस मामले पर विचार करना स्वीकार कर लिया है? विचित्र यह भी है कि एक तरफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ भारत से सीधा संवाद करने की बात कहते हैं और दूसरी तरफ संवाद की राह से भटककर वे अदालत की शरण में जा रहे हैं।

सामाजिक मर्यादा के कवि हैं गोस्वामी तुलसीदास

कालजयी कविता वह होती है जो सार्वकालिक हो। गोस्वामी तुलसीदास जी की कविताओं को किसी एक कालखंड में कैद नहीं किया जा सकता बल्कि उनकी कविताएं आज भी एक उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी मध्यकाल में रही हैं। प्रबंधकार कवि की भावुकता और रसात्मकता से ओतप्रोत गोस्वामी जी महाकवि हैं। जिस तरह महा कवि वाल्मीकि के राम हैं, भवभूति के राम अलग किस्म के हैं। भवभूति के उत्तररामचरितम के राम रुदन करते हैं। विश्व साहित्य में यह अभूतपूर्व है। भवभूति ने दाम्पत्य प्रेम का जैसा उज्ज्वल और विषद चित्र खींचा है, वह दुर्लभ है। वाल्मीकि प्रभु श्रीराम के समकालीन थे। किंतु गोस्वामी तुलसीदास जी को अंतर्दृष्टि प्राप्त थी। प्रज्ञा चक्षु गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरित मानस को एक प्रबंध काव्य के रूप में रचा है। प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्ही। मरजादा पुनि तुम्हरी किन्ही। ढोल गवांर सूद्र पसु नारी नारी। सकल ताड़ना के अधिकारी।। समुद्र ने भयभीत होकर प्रभु श्री राम से कहा कि प्रभु ने अच्छा किया कि जो मुझे शिक्षा दी, किंतु मर्यादा, जीवों का स्वभाव भी आपकी बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री, ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं। गीताप्रेस वाले संस्मरण में यही अर्थ किया है। ताड़ना का अर्थ शिक्षा से है। जबकि गोस्वामी तुलसीदास जी के अध्येता डॉ राम नरेश मिश्र मानस की व्याख्या करते हुए कहा करते थे कि अवधी बोली में ताड़ना का अर्थ देखने से होता है। आज भी लोग अवधी में बोलते हैं कि हम ओके ताड़त रहे अर्थात उसको देख रहे थे। ताड़ना का अर्थ उनके कार्यों को देखने से है न कि पीटने से है। मेरी नजर में यह पंक्ति ही किसी अन्य कवि की है। गोस्वामी तुलसीदास जी प्रबंधकार हैं। माता सीता के प्रति उनका भाव बोध उज्ज्वल है। ईश्वर द्वारा प्राप्त अंतर्दृष्टि के द्वारा जो पाठ मैंने किया है वह यह है कि ढोल गंवार सूद्र पसु नारीध्सकल उपासना क अधिकारी।। आप देख सकते हैं कि ढोल मध्यकाल में मंदिरों में कीर्तन का माध्यम था। ढोल की उपयोगिता आज भी सर्व विदित है। गंवार अर्थात गांव के लोग खेती किसानी करते थे जबकि शूद्र लोग समाज की सफाई के कार्य में सन्नद्ध थे और यह उनका वंशानुगत पेशा कदापि न था। बल्कि उनका कर्म आधारित सामाजिक पेशा था। नारी के प्रति गोस्वामी जी का सम्मान जग जाहिर है। इसलिए सर्वाधिक उपयुक्त पंक्ति यही है। गोस्वामी जी सामाजिक संरचना की भली भांति जानते थे। पूरे जीवन उन्होंने किसी का अपमान नहीं किया। गोस्वामी तुलसीदास जी सामाजिक मर्यादा के कवि हैं।

लेखक विनय कांत मिश्र/ दैनिक बुद्ध का संदेश

बजट में कोई आहत, किसी को राहत...

मजबूत पब्लिक फाइनेंस और एक मजबूत फाइनेंस सेक्टर के साथ एक टेक्नोलश्वजी–संचालित और ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था शामिल है। दावा किया जा रहा है कि 2014 से मोदी सरकार के प्रयासों ने सभी नागरिकों के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित किया है। वैसे आम जनता के नजरिये से देखा जाए तो जो प्रयास अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए किए गए हैं...

राजेंद्र शुक्ला

मोदी सरकार के अंतिम पूर्ण आम बजट पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बजट में महंगाई कम करने के प्रत्यक्ष उपाय न होने से आम जनता को निराशा हुई है और देश भर में विपक्ष इस बजट को हवा हवाई करार दे रहा है तो भाजपा इस बजट के प्रावधानों का स्वाभाविक रूप से स्वागत कर रही है। भाजपा खूबियां गिना रही है और कांग्रेस इसकी खामियां बता रही है। वैसे बजट में 7 लाख तक की आय को कर मुक्त करने से काफी राहत महसूस की जा रही है। बजट में बहुत से प्रावधान नए हैं और बहुत से ऐसे हैं, जिनका विस्तार किया गया है। समावेशी विकास, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना, बुनियादी ढांचा और निवेश, क्षमता को उजागर करना, हरित विकास, युवा और वित्तीय क्षेत्र बजट की प्राथमिकताएं बताई जा रही हैं। गरीब खाद्यान्न योजना 1 साल के लिए बढ़ाई गई है। अतिरिक्त अनाज के लिए 2 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है।दावा है कि प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से अधिक बढ़कर 1.97 लाख रुपये हो गई है। 9 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था आकार में 10 वें से 5 वें स्थान पर पहुंच गई है। वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि युवा उद्यमियों द्वारा कृषि– स्टार्ट अप को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि कोष बनाया जाएगा। वहीं, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मिशन मोड पर काम किया जाएगा। वित्तमंत्री सीतारमण ने 3 वर्षों में 47 लाख युवाओं को सहायता प्रदान करने के लिए एक अखिल

भारतीय राष्ट्रीय शिक्षुता योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण शुरू करने की घोषणा की है। अगले 3 वर्षों में 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए सहायता मिलेगी। वित्तमंत्री सीतारमण ने कहा है कि 10,000 जैव इनपुट संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। नगरपालिका बांडों के लिए साख बढ़ाने के लिए शहरों को प्रोत्साहित किया जाएगा।अमृत काल के लिए उपयुक्त बुनियादी ढांचे के वर्गीकरण और वित्तपोषण ढांचे को बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति गठित की जाएगी। वित्त मंत्री ने राज्य सरकारों के लिए भी बड़ी घोषणा की है। केंद्र सरकार ने राज्यों को 50 साल का ब्याज मुक्त कर्ज एक और साल के लिए बढ़ाया है। पेन को लेकर भी वित्त मंत्री ने बड़ी घोषणा की है। पैन कार्ड अब राष्ट्रीय पहचान पत्र के रूप में जाना जाएगा। इससे पहले पैन टैक्स फाइलिंग के लिए था। बजट में सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का आवंटन 66 फीसद बढ़ाकर 79,000 करोड़ किया है। सीतारमण का कहना है कि हम लोगों को रहने के लिए तेजी से घर आवंटित करेंगे। छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के लिए खास बात यह है कि जनजातीय समूहों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए पीएमपीबीटीजी विकास मिशन शुरू किया जाएगा, ताकि पीबीटीजी बस्तियों को मूलभूत सुविधाओं से परिपूर्ण किया जा सके। अगले 3 वर्षों में योजना को लागू करने के लिए 15,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। पीएम विश्व कर्म कौशल सम्मान–परंपरागत कारीगरों और शिल्पकारों के लिए सहायता के पैकेज की परिकल्पना की गई है, जो उन्हें एमएसएमई मूल्य श्रृंखला के साथ एकीकृत करते हुए अपने उत्पादों की गुणवत्ता, पैमाने और पहुंच में सुधार करने में सक्षम बनाएगा। छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों के लिए अच्छी खबर है कि भारतीय मिलेट्स अनुसंधान संस्थान को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में समर्थन दिया जाएगा। राज्यों की सक्रिय भागीदारी, सरकारी और सार्वजनिक पार्टनरशिप के साथ मिशन मोड पर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा।

पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन पर ध्यान देने के साथ कृषि कर्ज लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा। युवा उद्यमियों द्वारा कृषि–स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि कोष बनाया जाएगा। मजबूत पब्लिक फाइनेंस और एक मजबूत फाइनेंस सेक्टर के साथ एक टेक्नोलॉजी–संचालित और ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था शामिल है। दावा किया जा रहा है कि 2014 से मोदी सरकार के प्रयासों ने सभी नागरिकों के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित किया है। वैसे आम जनता के नजरिये से देखा जाए तो जो प्रयास अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए किए गए हैं, वे अच्छे कदम हैं लेकिन आम जनता की सबसे बड़ी समस्या महंगाई और बेरोजगारी है, जिसे कम करने के उपाय इस बजट में अपर्याप्त ही माने जा सकते हैं।

जातिगत जनगणना से डर क्यों?

यह सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और अंतर–समूह समानता सुनिश्चित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जातियों की गिनती करने में कोई बुराई नहीं है, और अगर भारत सरकार में न्याय और निष्पक्षता की जरा सी भावना बची है तो इसको अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। द्धलेखक विजिटिंग फैकल्टी, नेशनल लॉ स्कूल आफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु एंड...

पंकज कुमार

आधुनिक जटिल राजनीतिक व्यवस्था व्यापक दस्तावेजीकरण और जनसंख्या के वर्गीकरण के बिना कार्य नहीं कर सकती है। आजादी के बाद से ही जाति की गिनती को मनमाने तरीके से नजरअंदाज किया गया है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्यों जनगणना का हमारा फैसला सिद्धांतों पर आधारित नहीं है? यदि जातिगत गणना सामाजिक अशांति को जन्म दे सकती है। भारत सरकार के इंकार करने के बाद बिहार सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराने का निर्णय वास्तव में बिहार एवं देश की राजनीति के लिहाज से एक बड़ा कदम है। यह कदम न सिर्फ राजनीति को एक नई दिशा दे सकता है बल्कि जाति की हमारी समझ को भी पुनर्भाषित कर सकता है। मुख्यधारा के मीडिया और राय बनाने वाला वर्ग जाति आधारित जनगणना की तर्कसंगतता पर न सिर्फ सवाल उठा रहे हैं बल्कि उसको अमान्य करने की कोशिश भी कर रहे हैं। बहरहाल,जातिगत गणना के विरोधियों के पास कोई नया तर्क नहीं है। वे उसी मनोविकार को दोहरा रहे हैं कि यह जातिवाद को जन्म देगा, समाज को विभाजित करेगा, और मौजूदा जाति–आधारित कोटा को बढ़ाएगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि इन तर्कों का उपयोग जाति के आसपास केंद्रित हर प्रगतिशील उपाय के खिलाफ किया जाता रहा है। यह सोचना ही बेतुका है कि जातियों की गिनती किए बिना जाति को मिटाया जा सकता है और सामाजिक सद्भाव को हासिल किया जा सकता है। वास्तव में, हमें इस तथ्य को समझना चाहिए कि जाति अपनी प्रकृति से ही असामाजिक है (जैसा अम्बेडकर ने कहा है), और इसकी आधारभूत संरचना को मिटाए बिना सामाजिक समरसता प्राप्त नहीं की जा सकती है। हम कब तक इस सुहावनी सोच के साथ जीना चाहते हैं कि अगर हम जातियों को नहीं गिनेंगे या सार्वजनिक रूप से इस पर चर्चा नहीं करेंगे तो यह गायब हो जाएगी।

यह सर्वविदित है कि आधुनिक जटिल राजनीतिक व्यवस्था व्यापक दस्तावेजीकरण और जनसंख्या के वर्गीकरण के बिना कार्य नहीं कर सकती है। आजादी के बाद से ही जाति की गिनती को मनमाने तरीके से नजरअंदाज किया गया है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्यों जनगणना का हमारा फैसला सिद्धांतों पर आधारित नहीं है? यदि जातिगत गणना सामाजिक अशांति को जन्म दे सकती है– जैसा इसके विरोधियों द्वारा व्यापक रूप से तर्क दिया जाता है– तो धर्म भी यही काम करता है। फिर, हम धर्म की गिनती क्यों कर रहे हैं? भारतीय समाज का कोई भी पर्यवेक्षक यह बता सकता है कि भारत में जाति और धर्म दो ऐसी केंद्रीय धुरियां हैं जो कि देश में सामाजिक असमानता को निर्धारित करती है।

सवाल यह है कि हम जातिगत जनगणना के खिलाफ विरोध को कैसे समझे एवं यह हमारे समाज और देश की प्रकृति के बारे में क्या दर्शाता है? मेरे हिसाब से यह निम्नलिखित पांच चीजों को दर्शाता है। सबसे पहले, यह जीवन के सभी क्षेत्रों में सवर्णों के भारी प्रभुत्व को छिपाने का प्रयास है, जैसा कि प्रोफेसर सतीश देशपांडे ने जोरदार तर्क देकर साबित किया है। इसका तात्पर्य यह है कि जाति–आधारित गणना का विरोध इसलिए किया जाता है क्योंकि इससे उच्च जातियों के विशेषाधिकारों का पर्दाफाश होने का खतरा है। दूसरा, इस विरोध से यह भी पता लगता है कि कुलीन वर्ग खुद को जांच एवं अध्ययन का विषय नहीं बनाना चाहता। यही कारण है जिसकी वजह से भारत में ऊंची जातियों पर अध्ययन निचली जातियों और दलितों की तुलना में बहुत कम हुआ है। उदाहरण के लिए, क्यों भारत की ऊंची जातियां बीजेपी को वोट कर रही है, इस विषय पर नाममात्र का अध्ययन हुआ है।

तीसरा, यह लीला फर्नांडिस की उस अवलोकन को वैधता प्रदान करता है कि इस देश में उच्च–जाति के प्रभुत्व वाला मध्यमवर्ग, पश्चिम देशों के मध्यम वर्ग के विपरीत, सामाजिक रूप से अनुदार और रूढ़िवादी हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि निचले समूहों के लोग मध्यमवर्ग का हिस्सा बन पाए। यदि ऐसा नहीं है, तो आरक्षण का विरोध करने वाले निजीकरण का विरोध क्यों नहीं करते?

चौथा, जनगणना में जातियों की गणना का विरोध यह प्रदर्शित करता है कि हम सामूहिक रूप से जाति–आधारित उत्पीड़्घ्न की गंभीरता को स्वीकार करने में विफल रहे हैं और इस देश के अधिकांश लोगों द्वारा झेले जा रहे अपमान और क्रूरता के प्रति उदासीन हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत में तर्क अभी भी जाति के आसपास ही घूमता है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण भारत में आरक्षण की नीति के प्रति दुर्भावना है।

पांचवां, जाति के आधार पर गहराई से विभाजित समाज में, हममें से अधिकांश हमारे दैनिक जीवन में जाति विशिष्ट–संस्कारों को भी अपनाते हैंय चाहे वह हमारी जाति की सीमाओं के भीतर शादी करना होय अंतिम संस्कार की दावतों के लिए अपनी जाति के सदस्यों को आमंत्रित करना होय ब्राह्मण पुजारियों द्वारा अनुष्ठान करना हो। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम शायद ही अपने विशेषाधिकारों को स्वीकार करते हैं, पूर्वाग्रहों पर सवाल उठाते हैं, और उत्पीड़ित समुदायों की दुर्दशा के बारे में सोचते हैं। नतीजतन, विश्वसनीय साक्ष्यों के बावजूद कि आज के आधुनिक भारत में भी जाति सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक श्रेणी है जो किसी व्यक्ति के भविष्य को निर्धारित करता है, जाति आधारित जनगणना का पुरजोर विरोध किया जाता रहा है। आज जातिगत जनगणना के विपक्ष में चल रहे दो तरह कुतर्कों को पूरी तरह से ध्वस्त करने की जरूरत है। सबसे पहले, यह सोचना गलत है कि निचली जातियां इसका इस्तेमाल केवल जाति आधारित कोटा बढ़ाने के लिए करेंगी। और दूसरी बात यह है कि जनगणना का मकसद सिर्फ अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) की गणना नहीं है बल्कि सवर्णों की भी है। संक्षेप में, जाति गणना को केवल आरक्षण बढ़ाने के प्रयास भर तक ही सीमित नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि इसमें कोई दो राय नहीं है कि गणना आरक्षण को सही तरीके से लागू करने एवं उसकी जरूरत को परिलक्षित करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। मेरे विचार से कम से कम ऐसे तीन कारण हैं जो जातिगत गणना को वांछनीय बनाती है– पहला, जाति आधारित जनगणना की मांग को राष्ट्र निर्माण के एक आवश्यक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। यह हमें उन सामाजिक दुखों का आकलन करने का एक ऐतिहासिक अवसर प्रदान करता है जिनका सामना बड़ी संख्या में सामाजिक समूह करते हैं।

दूसरा, जाति सशक्तिकरण इसके अंतिम विनाश की ओर एक कदम है। हमें सोचना चाहिएरू क्या जाति की उपस्थिति और प्रभाव को स्वीकार किए बिना एवं उसे कायम रखने वाली आधारभूत संरचनाओं को खत्म किए बिना, जाति को खत्म किया जा सकता है? तीसरा, यह आशंका बढ़ रही है कि विभिन्न समूहों के बीच असमानता को दूर करने की प्रक्रिया ने पिछड़ी समुदायों के अंदर ही ऐसे वर्ग तैयार कर दिए हैं जो बाकी पिछड़े समूहों से काफी आगे निकल चुके हैं. बिहार में पिछड़ी जातियों के आरक्षण का पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग में वर्गीकरण इसी के मद्देन□ार किया गया है। लेकिन बिना जातिगत गणना के हम कैसे पता लगायेंगे कि पिछड़े वर्ग के किन जातियों ने कितना फायदा उठाया है? इसलिए, जाति गणना हमें यह पहचानने में सक्षम करेगी कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और उच्च जातियों में कौन–कौन सी अलग–अलग श्रेणियां हैं। निष्कर्ष रूप में कह सकते हैं कि जातिगत जनगणना को केवल मजबूत और लक्षित नीतियों को बनाने और आरक्षण को पुनर्जीवित करने के लिए एक साधन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

मोदी के जेम्स बॉन्ड के दांव से चीन के उड़े होश, रूस को कड़ा संदेश, क्या है भारत–अमेरिका की खुफिया डील?

भारत का दुश्मन देश पाकिस्तान तो पूरी तरह से तबाह हो ही चुका है। अब बारी चीन की है। भारत चीन को तबाह अमेरिका के साथ मिलकर करेगा और उसकी शुरुआत भी हो चुकी है। दोस्ती के लिए बेताब अमेरिका भारत के साथ उसी की शर्तों पर एक से बढ़कर एक रक्षा डील करने तक के लिए तैयार हो गया है। ये ऐसे समय पर हो रहा है जब भारत के एनएसए अजीत डोभाल अमेरिका दौरे पर हैं। चीन से मुकाबला करने के लिए अमेरिका और भारत ने महत्वकांक्षी तकनीक और रक्षा पहल शुरू कर दी है। इंडो पैसेफिक क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने और हथियारों के लिए रूस पर से निर्भरता कम करने के लिए अमेरिका भारत उन्नत रक्षा और कंप्यूटिंग प्रोद्योगिकी साझा करने की योजना बना रहे हैं। अमेरिका कई बार खुले तौर पर कह चुका है कि हथियारों के लिए रूस पर अपनी निर्भरता की वजह से भारत उसके ज्यादा करीब है। इसलिए अमेरिका भी भारत को आधुनिक तकनीक मुहैया कराने में सहयोग करेगा।

कितना खास है अजीत डोभाल का अमेरिका दौरा?

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अमेरिकी राष्ट्रपति सुरक्षा सलाहकार जैक सुलेविन के बीच में अहम मुलाकात हुई। मुलाकात में भारत और अमेरिका के बीच एम्रजिंग टेक्नोलॉजी यानी

इनिसिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड आईसीईटी डील हुई है। इस डील के जरिये दोनों देश मिलकर चीन की छुट्टी करेंगे। साथ ही दोनों देशों की आर्थिक प्रतिस्पध र्ा को भी मजबूती मिलेगी।

दोनों देशों के बीच क्या डील हुई?

भारत और अमेरिका भविष्य में होने वाले हाईटेक युद्ध के लिए अत्याधुनिक हथियारों को मिलकर बनाएंगे। इससे न केवल चीन पर लगाम लगेगी बल्कि भारत की रूस के हथियारों पर से निर्भरता कम होगी। विकास को लेकर समझौता हुआ है। भारत अपने स्ध्वदेशी फाइटर जेट तेजस के लिए अमेरिका की कंपनी जीई के इंजन इस्ध्तेमाल करता है। भारत–अमेरिका संबंधों में आईसीईटी को "नेक्स्ट बिग थिंग" (एक बड़ा कदम) बताया जा रहा है।

पीएम मोदी करेंगे अमेरिका का दौरा : एक खबर अचानक से सामने आई कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भारत के पीएम नरेंद्र मोदी को अमेरिका आने का न्यौता दिया। दोनों ही देशों की टीम जल्द ही तारीख तय करेगी। जून के महीने में पीएम मोदी अमेरिका का दौरा कर सकते हैं।

रूस पर निर्भरता होगी कम

भारत अमेरिका के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम टेक्नॉलाजी और अत्याध ुनिक वायरलेस सिस्टम पर काम करना चाहता है ताकि चीन से उसकी निर्भरता खत्म हो और भविष्य में इससे ड्रैगन के संकट से निपटना आसान होगा। इसके साथ ही भारत में सेमीकंडक्टर के निर्माण के लिए एक समझौते पर भी भारत और अमेरिका के बीच बातचीत हुई। रूस यूक्रेन युद्ध के बाद अब भारत के दुश्ध्मन चीन का जूनियर पार्टनर बन चुका है। इसके अलावा रूस सही समय पर हथियारों की आपूर्ति भी नहीं कर पा रहा है। ऐसे में चीन के हमले में भारत को अपनी सुरक्षा करना मुश्किल हो सकता है।

5 लाख सैनिक बॉर्डर पर तैनात, फरवरी में रूस ऐसा क्या करने जा रहा है जिससे घबराए यूक्रेन के रक्षामंत्री

यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने कहा है कि रूस एक बड़े नए हमले की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही यूक्रेनी मंत्री ने चेतावनी दी है कि रूस का ये हमला 24 फरवरी तक शुरू हो सकता है। ओलेक्सी रेजनिकोव ने कहा कि मास्को ने हजारों सैनिकों को एकत्र किया है। 23 फरवरी को रूस अपना सैन्य दिवस मनाता है, ऐसे में आशंका है कि इस दिन भी रूस, यूक्रेन पर तगड़ा अटैक कर सकता है। रेजनिकोव ने कहा कि मॉस्को ने संभावित आक्रमण के लिए लगभग 500,000 सैनिकों को जुटाया था। सितंबर में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लगभग 300,000 अनिवार्य सैनिकों की एक सामान्य लामबंदी की घोषणा की, जो उन्होंने कहा कि देश की ष्क्षेत्रीय अखंडताष सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक था। रक्षा मंत्री अतिरिक्त एमजी–200 हवाई रक्षा राडार खरीदने के लिए एक सौदा करने के लिए फ्रांस में थे, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि पंखों वाली और बैलिस्टिक मिसाइलों और विभिन्न प्रकार के ड्रोन सहित हवाई लक्ष्यों का पता लगाने के लिए सशस्त्र बलों की क्षमता में काफी वृद्धि होगी। रेज़िनकोव की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों का आरोप है कि राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी सेना को वसंत ऋतु के अंत से पहले डोनबास पर कब्जा करने का आदेश दिया है। बता दें कि

जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा टैंक भेजने पर सहमत होने के बाद यूक्रेन ने हाल ही में हवाई हमलों से खुद को बचाने में मदद के लिए लड़ाकू विमानों की मांग फिर से शुरू की है। कीव के अधिकारियों ने पश्चिमी देशों से बार–बार अपील की है कि उसे लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जाए। उन्होंने कहा कि रूस की हवाई क्षेत्र में सर्वोच्चता को चुनौती देने तथा भविष्य के हमलों का जवाब देने के लिए यह जरूरी है। इस तरह का कोई संकेत नहीं है कि यूक्रेन को लड़ाकू विमानों की आपूर्ति का फैसला निकट भविष्य में आ सकता है और इस तरह का संकेत भी नहीं है कि पश्चिमी देशों ने इस मुद्दे पर अपने पहले के रुख को बदल लिया है।

न्यूजीलैंड पर शानदार जीत के बाद गिल ने कहा टीम के लिए अच्छी पारी खेलकर बहुत खुशी हुई

अहमदाबाद। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैच में नाबाद 126 रन जड़कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका

निभाने वाले बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा कि उन्होंने अपनी शानदार पारी में कुछ अलग नहीं किया और अपना स्वाभाविक खेल खेला। गिल के टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहले शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने बुधवार को यहां तीसरे और अंतिम मैच में न्यूजीलैंड को 168 रन से हराकर इस प्रारूप में सबसे बड़ी जीत दर्ज कर श्रृंखला 2–1 से अपने नाम की। गिल ने मैच के बाद कहा, ''जब आप अभ्यास करते हैं और इसका फल मिलता है, तो अच्छा लगता है। टीम के लिए अच्छी पारी खेलकर बहुत खुश हूं। छक्के मारने के लिए सबकी अपनी तकनीक होती है।'' उन्होंने कहा, ''हार्दिक भाई ने मुझसे कहा कि मैं अपना स्वाभाविक खेल खेलूं और मुझे कुछ अतिरिक्त करने की आवश्यकता नहीं है।'' कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि वह मैदान पर फैसले लेते समय आमतौर पर अपने मन की सुनते हैं। पांड्या ने कहा, ''मैंने हमेशा इसी तरह खेल खेला है। मैं स्थिति को समझकर समय की जरूरत के हिसाब से फैसला करता हूं।'' हार से निराश न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने ''उत्कृष्ट'' क्रिकेट खेलने के लिए भारत की सराहना की।

एक साल में 147 लोगों को मौत की सजा!

युवराज सलमान के राज में क्या है सऊदी अरब में मानवाधिकार

सुल्तान सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद और क्राउन

प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के शासनकाल में सऊदी अरब में मौत की सजा श्असामान्य दरश से बढ़ गई है। दो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम एशिया के सबसे बड़े देश में पूर्व सुल्तान अब्दुल्ला बिन अब्दुल अजीज अल सऊद के तहत मृत्युदंड की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। वहीं, रिपोर्ट में मानवाधि ाकार उल्लंघन और प्रताड़ना जैसी घटनाएं भी बढ़ी हैं।

2015 में अब्दुल्ला की मृत्यु के बाद उनके सौतेले भाई सलमान बिन अब्दुल अजीज सुल्तान बने। मानवाधिकार संगठन रेप्रीव और द यूरोपियन सऊदी ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि सऊदी अरब में औसत निष्पादन दर 2014 और 2016 के बीच 70.8 प्रतिशत थी। हालाँकि, 2015 में सलमान के सऊदी अरब के सुल्तान बनने के बाद, यह दर उस वर्ष बढ़कर 129.5 प्रतिशत हो गई! हाल के एक ऑकड़ों से पता चलता है कि सऊदी अरब में मौत की सजा की दर में असामान्य रूप से वृद्धि हुई है क्योंकि प्रशासनिक कार्यों में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का उदय हुआ है। 2022 में उस देश में 147 लोगों को फांसी दी गई थी। उनमें से 81 केवल मार्च में! इनमें कई राजनीतिक आरोपी भी हैं। युवराज सलमान पर आलोचकों की श्हत्याश करने का भी आरोप लगाया गया है। प्रिंस के कट्टर आलोचक पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में तुर्की के इस्तांबुल में सऊदी दूतावास में कथित तौर पर श्हत्याश कर दी गई थी। आरोप है कि हत्या सलमान के कहने पर की गई है।

भारत के रक्षा बजट से 'चिढ़ा' चीन

सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने कहा– इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं होगा

देश की राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में एक प्रमुख जोर देते हुए नरेंद्र मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए रक्षा बजट को लगभग 13 प्रतिशत बढ़ाकर 5.93 लाख करोड़ रुपये कर दिया, जबकि 2022–23 में यह 5.25 लाख करोड़ रुपये था। अब भारत के इस कदम से चीन पूरी तरह से बौखलााय हुआ नजर आ रहा है। चीन के सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्ब्स के संपादक हू शिजिन ने भारत के रक्षा बजट से लेकर अमेरिकी साझेदारी को लेकर तंज कसा है। ग्लोबल टाइम्ब्स और सोशल मीडिया के जरिए चीन के झूठे राष्ध्ट्रवाद को भड़काने वाले हू शिजिन ने भारत के रक्षा बजट में बढ़ोतरी को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने

ट्विटर पर लिखा कि भारत का अंतिम लक्ष्य सीमा पर चीन से मुकाबला करना नहीं होगा। इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं होगा। भारत की महत्वाकांक्षा हिंद महासागर को पूरी तरह से नियंत्रित करने और इसे भारत के ष्अंतर्देशीय समुद्रष में बदलने की है। इसके साथ ही हू शिजष्नि ने अमेरिका भारत को चीन के लिए आपूर्ति–श्रृंखला विकल्प के रूप में देखता है वाले वॉल स्ट्रीट जनरल की एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए यदि भारत विश्व आपूर्ति श्रृंखला में चीन की स्थिति को बदल सकता है, तो वह इसे बहुत पहले ही बदल चुका होता। अब राजनेता बाजार के स्वामी बनना चाहते हैं और अमेरिका वैश्विक स्तर की नियोजित अर्थव्यवस्था में संलग्न होना चाहता है। मैं व्हाइट हाउस की हिम्मत और महत्वाकांक्षा की प्रशंसा करता हूं। बता दें कि भारत समेत दुनियाभर के देशों के खिलाफ हू शिजष्नि ट्विटर पर जहर उगलता रहता था। इसी वजह से उसे श्ट्रोल किंगश कहा जाता था।

पीएसजी की जीत में मेस्सी का गोल, एमबाप्पे चोटिल

पेरिस। विश्व कप विजेता फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने मोंटपेलियर के खिलाफ पेरिस सेंट–जर्मेन (पीएसजी) की 3–1 से जीत में एक गोल किया जबकि टीम के एक अन्य दिग्गज कीलियन एमबाप्पे पेनल्टी पर दो बार चूकने के बाद चोटिल हो गये। इस जीत से लीग वन (फ्रांस की शीर्ष घरेलू लीग) की तालिका में पीएसजी ने शीर्ष पर स्थिति मजबूत करते हुए अपनी

बढ़त पांच अंक की कर ली। मेस्सी ने मैच के 72वें मिनट में गोलकर पीएसजी की बढ़त को 2–0 कर दिया। उनसे पहले फाबियान रुइज ने 55वें मिनट में टीम का खाता खोला था जबकि वॉरेन जैरे–एमरी ने आखिरी लम्हों (902 मिनट) में गोल कर टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की। इस बीच मोंटपेलियर के लिए 89वें मिनट में अरनोद नॉर्डिन ने गोलकर हार के अंतर को कम किया। एमबाप्पे मैच के 21वें मिनट में लंगडाते हुए मैदान से बाहर चले गये। पीएसजी के कोच क्रिस्टोफ गाल्टियर ने हालांकि मैच के बाद कहा कि उनकी चोट ज्यादा गंभीर नहीं दिख रही। अन्य मैचों में गत चौम्पियन मार्सिले ने नैनटेस को 2–0, नीस ने लेंस को 1–0 से हराया। मोनाको ने ऑक्सेरे के खिलाफ 3–2, रेंस ने स्ट्रासबर्ग के खिलाफ 3–0 से जीत दर्ज की जबकि लियोन ने ब्रेस्ट को गोलरहित ड्रॉ पर रोका।

लेवांडोव्स्की के गोल से बार्सीलोना ने बेटिस को हराया

मैड्रिड। रोबर्ट लेवांडोव्स्की के गोल से बार्सीलोना ने ला लीगा (स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) में रीयल बेटिस को बुधवार को यहां 2–1 से शिकस्त देकर खिताब के लिए अपना दावा और मजबूत किया। इस जीत से टीम ने 50 अंक के आंकड़े को छू लिया। बार्सीलोना के नाम 19 मैचों में 16 जीत के साथ 50 अंक है जबकि दूसरे स्थान पर काबिज रीयल मैड्रिड के नाम 18 मैचों में 42 अंक है। लेवांडोव्स्की ने इस लीग में अक्टूबर के बाद पहला गोल किया जिससे प्रतिस्पर्धी मुकाबले में बार्सीलोना की लगातार छठी जीत सुनिश्चित हुई। पोलैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी के नाम इस लीग के मौजूदा सत्र में अब 14 गोल है। वह इस मामले में अब सबसे आगे है। बार्सीलोना के लिए राफिन्हा ने मैच के 65वें मिनट में पहला गोल किया जबकि लेवांडोव्स्की ने 80वें मिनट में टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। डिफेंडर जूल्स कुंडे ने मैच के 85वें मिनट में आत्मघाती गोल किया जिसने बार्सीलोना के जीत के अंतर को कम किया।

नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2–0 से हराकर मैनचेस्टर यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचा

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने लीग कप फुटबॉल सेमीफाइनल के दूसरे दौर के मुकाबले में नॉटिंघम फॉरेस्ट को 2–0 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनायी। टीम ने पहले चरण का मैच 3–0 से जीता था। नये कोच एरिक टेन हैग की देख रेख में टीम छह साल बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है। फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के सामने न्यूकैसल की चुनौती होगी। यह मुकाबला 26 फरवरी को वेम्बली स्टेडियम में खेला जायेगा। टेन हैग ने टीम के खिताबी मुकाबले में पहुंचने पर कहा, '' फाइनल में पहुंचना बेशक अच्छा है, लेकिन यह सिर्फ फाइनल में पहुंचने के बारे में नहीं है बल्कि इसे जीतने के बारे में है।'' स्थानापन्न एंथनी मार्शल ने 73वें मिनट में टीम के लिए पहला गोल किया जबकि फ्रेड ने 76वें मिनट में दूसरा गोल किया। दोनों गोल में मार्कस रैशफोर्ड ने सहायक की भूमिका निभाई।

पीएम आवास योजना का लक्ष्य बढ़ने से गरीबों को मिलेगा आशियाना

महराजगंज। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभार्थियों को अधिक लाभ मिलेगा। बजट में पीएम आवास योजना में 66 फीसदी बढ़ोतरी की घोषणा होने से जिले में लोगों को इसका लाभ मिलेगा। जिले में इस वर्ष प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लक्ष्य 19,294 निर्धारित है। 1,565 लाभार्थियों को पहली किस्त दी जा चुकी है। बजट में सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना में बढ़ोतरी कर दी है, तो अधिक से अधिक पात्र आवेदकों को लाभ मिलेगा। मोहनापुर के मोहन ने बताया कि गरीबों के हित पर सरकार ध्यान दे रही है, इसका भविष्य में अधिक से अधिक लोगों को फायदा मिलेगा। परियोजना निदेशक आरके पांडेय ने बताया कि बढ़ोतरी होने से जिले में योजना के तहत अधिक पात्र लाभार्थियों का चयन हो सकेगा। सरकार ने बजट में प्राथमिकता देकर बेहतर किया है।

डिजिटल इंडिया मुहिम को मिलेगी गति

महराजगंज। आम बजट में मोबाइल फोन के साथ कैमरे के लेंस सस्ते होने का जिक्र किया गया है। स्मार्टफोन प्रयोग करने वालों को एक तरह से राहत देने की कोशिश है। इससे डिजिटल इंडिया अभियान को बढ़ावा मिलेगा। निचलौल शहर में मोबाइल विक्रेता अरविंद कुमार ने बताया कि स्मार्टफोन के कलपुर्जो के आयात पर छूट सरकार ने दी है। स्मार्टफोन कंपोनेंट चार्ज के आयात शुल्क में कटौती का ऐलान हुआ है। ऐसे में स्मार्टफोन कंपनियों को कलपुर्जों को विदेश से मंगाने पर कम टैक्स देना होगा। मोबाइल विक्रेता आलम ने बताया कि इन दिनों 5जी स्मार्टफोन की काफी मांग है। इसके निर्माण में इस्तेमाल आने वाले चिपसेट और बाकी कलपूर्जों को विदेश से मंगाना होता है, ऐसे में स्मार्टफोन के निर्माण में कम लागत आएगी। रायपुर गांव के अनिल यादव ने बताया कि कीमत कम होने से अब सबके हाथ में मोबाइल फोन होगा।

सराफा कारोबारियों को झटका, कारोबार होगा प्रभावित

महराजगंज। आम बजट में केंद्र सरकार की तरफ से कई बड़ी घोषणाएं हुई हैं। ऐसे में बजट में सोने–चांदी पर कस्टम ड्यूटी बढ़ी है। इसका मतलब है कि सोना और चांदी के दामों में कुछ इजाफा होगा। इससे व्यापारियों से लेकर आम ग्राहकों को कुछ खास फायदा नहीं होगा। कृषि प्रधान जिले में सराफा कारोबार प्रभावित होगा। निचलौल शहर के सोने–चांदी के कारोबारी विनोद वर्मा ने कहा कि बजट में सोना, चांदी पर कस्टम ड्यूटी बढ़ाई गई है। इससे सराफ कारोबारियों को झटका लगा है। सोने–चांदी की कीमत में उछाल होने से कारोबारियों के साथ आम ग्राहकों पर असर पड़ेगा। कारोबारी अनिल वर्मा ने कहा कि सोने चांदी के कीमतों में बढ़ोतरी होने से व्यापारियों के साथ लोगों का गणित गड़बड़ा जाएगा। जिसका कारोबार पर सीधा असर पड़ेगा।

कचहरी में पुलिस और अधिवक्ताओं में नोकझोंक

देवरिया। दीवानी कचहरी में एक अधिवक्ता और एक थाना प्रभारी से भूमि विवाद के प्रकरण में बहस हो गई। कुछ ही देर में दोनों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। यह देख अधिवक्ता काफी संख्या में मौके पर जुट गए हैं और आक्रोशित हो गए। दोनों पक्षों की तेज आवाज सुनकर परिसर में मौजूद सदर सीओ श्रीयश त्रिपाठी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों को अलग–अलग समझा–बुझाकर शांत कराया। मामले की जानकारी होने पर पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा भी पहुंच गए। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी ली। लार के थानेदार नवीन चौधरी दीवानी कचहरी आए थे। इसी दौरान लार के भूमि विवाद के एक प्रकरण को लेकर एक अधिवक्ता से उनकी बहस हो गई। कुछ ही देर में दोनों लोगों के बीच नोकझोंक होने लगी। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मी मामले शांत कराने में जुट गए। अधिवक्ता थानेदार के व्यवहार से नाराज होकर नारेबाजी करने लगे और पुलिस के एक वाहन को घेर लिया। हो–हल्ला सुनकर सीओ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाने लगे। इसके बाद पुलिस के वाहन को बाहर निकाला गया। मामले की सूचना पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची तो वह भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने दोनों पक्षों की बातें सुनीं और मामले को शांत कराया। एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि कोई विवाद नहीं हुआ है। जानकारी पर वह गए थे। सभी को समझा–बुझाकर शांत करा दिया गया है।

आठ तक पूर्ण कराएं आवास : सीडीओ

देवरिया। सीडीओ की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में गूगल मीट के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रगति की समीक्षा की गई। सीडीओ ने आवासों को आठ फरवरी तक पूर्ण कर अवगत कराने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं अपने तय समय पर पूर्ण कर ली जाएं। इनमें लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सीडीओ रवींद्र कुमार ने बताया कि जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण वर्ष 2021–22 के तहत तृतीय किस्त निर्गत करने के लिए कुल 07 आवास शेष हैं। इसमें बनकटा में दो, भलुअनी में एक, भटनी में एक, पथरदेवा में एक और सलेमपुर दो आवास लंबित हैं। उन्होंने बीडीओ को निर्देश दिए कि तीन दिन के अंदर इनका भुगतान कर दिया जाए। जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण वर्ष 2020–21 के तहत कुल 27 आवासों का अभी तीसरी किस्त का भुगतान नहीं हो सका है। इसमें बैतालपुर पांच, बनकटा छह, भागलपुर भलुअनी एक, भटनी दो, सदर एक, देसही देवरिया एक, गौरीबाजार एक, लार में तीन, पथरदेवा 04, रुद्रपुर एक, सलेमपुर में एक आवास लंबित हैं। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवास की नियमित मानीटरिंग की जाए। निर्माण में देरी कर रहे परिवारों से समन्वय स्थापित करते हुए कार्य समय से पूर्ण कराया जाए। सीडीओ ने मुख्यमंत्री आवास योजना–ग्रामीण वर्ष 2022–23 के अंतर्गत स्वीकृत हुए आवासों की छत का निर्माण पूर्ण करते हुए तृतीय किस्त जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में वांछित प्रगति अर्जित न करने वाले विकास खंडों की प्रगति पर सीडीओ ने गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए उन्हें चेतावनी दी।

खेत में हिस्से की मांग, मोबाइल टॉवर पर चढ़ा युवक

बरगदवा। बेलहिया गांव का एक युवक सुबह अपने बड़े पिता से खेत में हिस्से की मांग को लेकर मोबाइल टॉवर पर चढ़ गया। कूदकर जान देने की धमकी देने लगा तो ग्रामीण एकत्रित हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हिस्सा दिलाने के आश्वासन पर दो घंटे बाद युवक को नीचे उतरवाया। बेलहिया निवासी विष्णु मद्धेशिया के पिता की मृत्यु के बाद बड़े पिता रामनिवास से हिस्से को लेकर विवाद बताया जा रहा है। युवक अपने खेत के हिस्से को देने के लिए बीते कई माह से मांग कर रहा था। हिस्सा न मिलने पर सुबह युवक टॉवर पर चढ़ गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद हिस्सा देने का आश्वाशन देकर टावर से नीचे उतरवाया। थानाध्यक्ष बरगदवा पुरुषोत्तम राव ने बताया कि युवक को थाने लाया गया है। वह अपना हिस्सा बेच चुका है। मामले की जांच पड़ताल कर न्याय दिलाया जाएगा।

जैविक खेती के बढ़ावा से किसानों को होगा लाभ

– जिले में दो लाख हेक्टेयर भूमि पर पांच लाख किसान करते हैं खेती

महराजगंज। बजट में जैविक खेती को बढ़ावा दिए जाने का प्रावधान किया गया है। सरकार ऑर्गेनिक खेती को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। इससे जिले के पांच लाख किसानों को फायदा होगा। खेती में लागत कम होने के साथ ही पैदावार भी बढ़ेगा। जानकारी के अनुसार जिले में दो लाख हेक्टयेर भूमि पर खेती होती है। भूमि के जल स्तर में वृद्धि होती हैं। खोन्हौली गांव के किसान महेंद्र ने बताया कि सरकार जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है, इसके परिणाम भविष्य में बेहतर होंगे। खेती में लागत कम होने पर आय निश्चित रूप से बढ़ेगी। जिला कृषि अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है। जैविक खेती को बढ़ावा दिए जाने की पूरी कोशिश की जाएगी। किसानों की आमदनी बढ़ने के साथ ही लागत भी कम होगी। पर्यटन क्षेत्र को मिलेगी संजीवनी, बढ़ेंगे रोजगार के अवसरः महराजगंज। बजट में घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया गया है। इससे जिले में पर्यटन कारोबार को संजीवनी मिलेगी। जंगल सफारी सहित दर्जिनिया ताल को विकासित करने में मदद मिलेगी। बीते नवंबर में सोहगीबरवा वन्य जीव प्रभाग में जंगल सफारी चौक क्षेत्र में शुरू हुआ। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन बुकिंग की व्यवस्था है। वर्तमान में पर्यटन के क्षेत्र में जिला काफी पीछे हैं। यहां विकास की संभावनाएं हैं। बौद्ध स्थल की खुदाई के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। बजट में पर्यटन क्षेत्र के लिए विशेष जोर दिए जाने से बेहतर होने की उम्मीद है। डीएम सत्येंद्र कुमार ने बताया कि बजट में पर्यटन कारोबार को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है, इससे जिले में पर्यटन विकास आगे बढ़ेगा। रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। युवाओं को रोजगार मिलेगा। आने वाले दिनों में पर्यटन कारोबार आगे बढ़ने की उम्मीद है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के कारोबार को मिलेगी गतिः जिले में इलेक्ट्रिक गाड़ियों के कारोबार को गति मिलेगी, इससे जुड़े कारोबारी खुश हैं। इलेक्ट्रिक गाड़ी सस्ती होगी तो इसका कारोबार बढ़ने के साथ ही आम आदमी की मुश्किल भी दूर होगी। जिले में इस कारोबार से जुड़े राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि बजट में सरकार से इलेक्ट्रिक गाड़ियों को सस्ता करने की घोषणा कर कारोबार को संजीवनी देने का काम किया है। अधिक से अधिक खरीदारी होगी तो निश्चित रूप से आय में बढ़ोतरी होगी। गौनरिया राजा गांव के मनीष ने बताया कि बजट में बिजली से चार्ज होने वाली गाड़ियों को सस्ते करने का प्रावधान सराहनीय है। कम पूंजी के लोग भी आसानी से इन गाड़ियों को खरीद सकेंगे। सबसे खास बात यह है कि पर्यावरण प्रदूषित नहीं होगा। वन क्षेत्र के आच्छादित महराजगंज जनपद की सड़कों पर बिजली से चार्ज होने वाली ज्यादा गाड़ियां आने वाले दिनों में दौड़ेंगी। बजट से लोग निराश, रेल लाइन से जुड़ने की अधूरी रह गई आसः बजट से इस बार लोगों को निराशा हाथ लगी है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी महराजगंज से सांसद हैं। लोगों को उम्मीद थी कि आनंदनगर से घुघली रेलवे स्टेशन को जोड़ने के लिए बजट में कोई प्रावधान करेंगे, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी है। लंबे समय से महराजगंज जिला मुख्यालय को रेलवे लाइन से जोड़ने की मांग की जा रही है। हर बार बजट प्रस्तुत होने के दौरान लोग इस आस में रहते हैं कि इस बार रेलवे के मद में कुछ घोषणा जरूरी होगी। हर बार की तरह इस बार भी लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। टीबी और मोबाइल फोन से बजट देख रहे लोगों ने कहा कि इस बार भी जिला मुख्यालय को रेल मार्ग से जोड़ने के लिए कुछ खास घोषणा नहीं हुई। सभासद डॉ. सिद्धार्थनाथ शुक्ला ने बताया कि जिला मुख्यालय को रेल मार्ग से जोड़ने के लिए सपना कब पूरा होगा, कुछ कहा नहीं जा सकता है। हर बार उम्मीदों पर पानी फिर जाता है। शास्त्री नगर के अमित कुमार वर्मा ने बताया कि रेलवे के लिए कुछ घोषणा हुई होती तो बेहतर रहता। बहुत उम्मीद के साथ टीबी पर बजट देख रहा कि रेलवे के लिए कोई घोषणा हो जाए।

भाजपा ने जनता में विश्वास व भरोसा कायम किया : सूर्य प्रताप शाही

सलेमपुर। श्री रैनाथ ब्रह्मदेव महाविद्यालय में भाजपा जिला कार्यसमिति के उद्घाटन सत्र में प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि प्रदेश की राजनीति में देवरिया का प्रतिनिधित्व पहले से ही रहा है। भाजपा ने जनता में विश्वास व भरोसा करायम किया है।

कृषि मंत्री ने कहा कि मोदी को रोकने के लिए देश की सारी नकारात्मक ताकतें एक हो गईं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा 2024 में लोकसभा का चुनाव न जीते, इसके लिए सारे विपक्षी जनता में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। इसीलिए देश को विकास और राष्ट्रवाद के मुद्दे को हटाने के लिए रामचरितमानस पर अपने स्वभाव के अनुसार टिप्पणी कर रहे हैं।

दूसरे सत्र में सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि डाटा प्रबंधन पार्टी के विस्तार का आधारभूत अंग है। जिस तरह से पार्टी का विस्तार निचले स्तर तक हुआ है, इस विस्तार को और आगे ले जाना है। ऐसी परिस्थिति में पार्टी समस्त दायित्यवान कार्यकर्ताओं का डाटा एक प्लेटफॉर्म यानी राष्ट्रीय स्तर से लेकर बूथ स्तर तक हो डाटा प्रबंधन का कार्य शुरू किया है। इसलिए पार्टी ने सरल एप का निर्माण किया है।

तीसरे सत्र प्रस्ताव में राजनीतिक प्रस्ताव जिला उपाध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने रखा। इसके समर्थन में जिला महामंत्री रविंद्र किशोर कौशल, जिलामंत्री निर्मला गौतम, जिलामंत्री महेश मणि और जिला महामंत्री जितेंद्र सिंह, पवन कुमार मिश्र ने अपनी बात रखी।

कार्यसमिति ने उन राजनैतिक दलों के खिलाफ सामाजिक सौहार्द बनाये रखने का संकल्प प्रस्ताव पास किया, जो व्यक्ति हमारे संस्कृति और मान्य मूनल्यों के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी कर प्रदेश में जातीय एवं वर्ग संघर्ष पैदा करना चाहती है।

चौथे सत्र में जिला प्रभारी सुनील गुप्ता ने कहा कि पार्टी द्वारा पन्ना प्रमुख और उनकी पांच सदस्यी समिति बनाई जानी है। पांचवें और अंतिम सत्र समापन में जनप्रतिनिधियों ने केंद्र और प्रदेश सरकार के उपलब्धियों का बखान किया। जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीशचंद्र तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार समाज के सभी वर्ग के हितो में अनेक योजना चला रही है। राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने कहा कि भाजपा की सरकार गांव, गरीब, किसान, नौजवान, मजदूर, महिला, शोषित, वंचितों को ध्यान में रख कर काम कर रही है। इस दौरान जिलाध्यक्ष अंतर्यामी सिंह, बरहज विधायक दीपक मिश्रा शाका, छठ्ठेलाल निगम, मार्कंडेय शाही, विजयबहादुर दूबे, निशिरंजन तिवारी, राजेश कुमार मिश्र, अजय शाही, अजय दूबे, गंगा कुशवाहा, प्रमोद शाही, श्रीनिवासन मणि, रमेश सिंह, रामाज्ञा चौहान, अभिषेक जायसवाल, अंबिकेश पांडेय, तेजबहादुर पाल, बलराम उपाध्याय महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष सुधा सिंह आदि मौजूद रहे।

दया ,करूणा,ममता व त्याग की प्रतिमूर्ति थी मां अकलेश देवी

गोरखपुर। आज दिनांक 2 फरवरी दिन गुरुवार को मां अकलेश स्मृति सेवा परिषद व् डा अशोक कुमार श्रीवास्तव फैंस क्लब के तत्वाधान में मां अकलेश की 24 वीं स्मृति दिवस पर प्रमुख रूप से प्रमुख समाजसेवी श्री दुर्गा प्रसाद (बाबु जी) व परिवार के सदस्यों सहयोगियों के द्वारा पुष्पांजलि व् श्रद्धांजलि के उपरांत शिवपुर सहबाज गंज स्थित मदर टेरेसा होम (वृद्ध असहायो के रहने का घर) पर सभी उपस्थित वृद्ध असहायों को उनके जीवन यापन संबंधित सामाग्री प्रदान किया गया साथ ही साथ उनके साथ सभी लोगो भोजन भी कराया गया । आज के इस पुनीत आयोजन से सभी वृद्ध लोगो चेहरे पर गजब का सुंदर भाव था,होम परिसर में माहौल काफी भाउक जैसा रहा । सभी उपस्थित वृद्ध जनों ने एक स्वर से मां अक्लेश के परिवार जनों को खूब आशीर्वाद व् साधु वाद दिया । तत्पश्चात बाबु जी श्री दुर्गा प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि एक समाज सेविका के रूप में ममता मयी मां अकलेश की भूमिका सदा याद रखा जाएगा,मां अकलेश ने अपने जीवन काल में जरूरतमंदों के साथ–साथ सामाजिक उत्थान की दिशा में निरंतर मानव मात्र के प्रति दया करुणा एवं प्रेम का भाव विद्यमान रहता था अपने स्वभाव के अनुरूप ही जीवन भर कमजोर महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए हर समय मदद करने को तत्पर रहती थी उन्होंने जो कुछ भी किया किया हम सभी के उनकी सेवाओं को से सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर सिस्टर बैनेट, सिस्टर प्रिया लता ,व्यापारी नेता मखनलाल गोयल, ई प्रदीप कुमार(रेलवे अधिकारी) डॉ मनोज कुमार(विभागाध्यक्ष शिक्षा शास्त्र सेडीका) ने कहा कि मां के जैसी पुण्य आत्मा की स्मृति में दीन दुखियों के प्रति दया करुणा एवं सहानुभूति का भाव रखते हुए उनकी हर तरह से सहायता करना हमारा धर्म है। समाज के विकास की धारा को तभी सही दिशा मिल सकेगी जब हर वर्ग अपनी जरूरतों को पूरा पूरी कर सके। और अपनी जरूरतों को सुनिश्चित करने में सफल हो, ऐसा तभी संभव है जब आर्थिक सामाजिक दृष्टि से कमजोर वर्ग की हरसंभव सहायता हो,परिषद कई दशको से इस दिशा में बेहतर प्रयास कर रहा है । प्रसिद्ध रेलवे एक्टिविस्ट ई. रंजीत कुमार व निवेदिता ने कहा कि मां अकलेश ने गरीब परिवारों की महिलाओं की सहायता एवं सेवाओं से अपने जीवन का अधिकांश समय दिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मांगीरिश् ग्रुप के मुखिया ई. संजीत व स्मिता ने कहा कि मां अकलेश ने महिलाओं व बच्चियों के समस्याओं को उठाते हुए विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि मानव मात्र के प्रति दया करो एवं प्रेम व सहयोग की भावना से कार्य करना चाहिए। मां अकलेश की समाज की सेवा को हमेशा ये समाज याद रखे गा। सभी का आभार व् संचालन करते समाजसेवी मंजीत कुमार(सप्पु बाबु) ने किया।

इस अवसर पर प्रमुख रूप सेसिस्टर बैनेट, सिस्टर प्रिया लता, चिकित्सक डॉ पी के श्रीवास्तव,डा किरन, अर्चना, डा विभा ,निवेदिता, स्मिता,मनीषा,इं.रंजीत कुमार, बैंक अधिकारी शिखर वर्मा, भावना, इ. प्रखर आशीष कुमार,मनीषचंद,निर्मल , दीपक कुमार,ई अनुभव ,मंगीरिश , मानित, सौम्या,अंशिका राहुल उपाध्याय , कृष्णकांत चौधरी,अमरजीत गौतम सहित भारी संख्या में हर समाज हर तबके के लोग उपस्थित थे।

आधार कार्ड के नाम पर वसूली की शिकायत, जांच समिति गठित

महराजगंज। फरेंदा ब्लॉक में तैनात अनुदेशक की ओर से स्कूली बच्चों से आधार कार्ड बनवाए जाने के नाम पर वसूली किए जाने की शिकायत पर जांच समिति गठित की गई है। तीन दिन के अंदर समिति को रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा गया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने बताया कि शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की ओर से यह शिकायत की जा रही थी कि अनुदेशक की ओर से आधार कार्ड बनवाने में वसूली की जा रही है। खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि उसे तत्काल कार्यमुक्त करें। शिकायत की जांच के लिए सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी अरविंद मणि त्रिपाठी, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा केके सिंह एवं खंड शिक्षा अधिकारी नौतनवां आनंद मिश्रा की तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है। जांच कर वे अपनी रिपोर्ट कार्यालय को सौंपेंगे। रिपोर्ट के आधार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों ने निकाली सड़क सुरक्षा यातायात जागरूकता रैली,लोगों को शपथ दिलाकर किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

महराजगंज। जनपद के मिठौरा अन्तर्गत गांधी चौराहे पर ग्रीन माउंट अकेडमी के छात्रो ने शासन की गाइड लाइन के अनुपालन में बृहस्पतिवार को सड़क सुरक्षा यातायात जागरूकता अभियान के तहत रैली का आयोजन किया। इस दौरान सड़क पर बच्चों के हाथों में सड़क सुरक्षा को लेकर स्लोगन लिखी तख्तियां आकर्षण का केंद्र बनी रही। यही नहीं बच्चों ने पुलिस की मौजूदगी में बगैर हेलमेट बाइक सवारों, बगैर सीटबेल्ट कार सवारों को रोककर उन्हें हेलमेट व सीटबेल्ट लगाकर चलने की शपथ दिलाई। साथ ही हेलमेट, सीटबेल्ट लगाकर चलने वाले बाइक सवारों को फूल भेंट कर जागरूक किया। वहीं बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में सड़क सुरक्षा यातायात नियमों का पालन करवाने के लिए मानव श्रंखला बनाकर रैली का आयोजन किया। रैली विद्यालय से होकर खोस्टा एवं गांधी चौराहे पर सम्पन हुई। जिसमें चौक थाना प्रभारी श्यामसुंदर तिवारी, विद्यालय के प्रधानाचार्य मोहम्मद जियाउल हक, समस्त शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे। बच्चों की अनोखे प्रयास को देखकर लोगों ने खूब प्रशंसा की।

पूज्य राघव ऋषि के कथा का आयोजित हुई बैठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला,गोरखपुर। नगर पंचायत के अंतर्गत गोपालपुर में पूज्य महाराज राघव ऋषि जी के कथा का आयोजित हुआ बैठक आगामी दिनों में कथा के प्रारंभ होने की तिथि को निर्धारित करने के लिए पूज्य ऋषि राघव महाराज के पुत्र सौरभ ऋषि के अध्यक्षता में कथा का प्रारंभ होना सुनिश्चित हुआ। यह कथा 21 से 28 फरवरी गोपालपुर कस्बे में होना तय हुआ। यह जानकारी वरिष्ठ समाजसेवी प्रवीण सिंह के द्वारा दी गई। आयोजित कथा निर्धारित होने के बाद सौरव ऋषि ने गोपालपुर के 220 वर्ष पुराने प्राचीन शिव मंदिर का भ्रमण किया। इस अवसर पर राजेंद्र गौड़ सत्येंद्र मिश्र सत्येंद्र पांडे रत्न कुमार रितेश वर्मा राजकुमार गुप्ता अमर मानी मद्धेशिया कन्हैया गुप्ता रेनू सिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

लूट के चार दोषियों को 3–3 वर्ष की कैद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। 16 वर्ष पूर्व औड़ी मोड़ अनपरा स्थित ऊर्जांचल वाणी समाचार पत्र कार्यालय में तोड़फोड़ कर लूटपाट किए जाने के मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनीता सिंह की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर 4 दोषियों रामगोविंद, लाले, उदास व विद्या मिस्त्री को 3–3 वर्ष की कैद एवं ढाई–ढाई हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक–एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक पिपरी थाना क्षेत्र के तुर्रा निवासी रामकिशुन शाही पुत्र मोहर शाही जो ऊर्जांचल वाणी समाचार पत्र के संपादक हैं ने न्यायालय में दाखिल धारा 156 (3) दंड प्रक्रिया संहिता के तहत प्रार्थना पत्र में अवगत कराया था कि उसका प्रेस कार्यालय व दुकान अनपरा थाना क्षेत्र में औड़ी मोड़ वीना रोड में स्थित है। इधर कई दिनों से वे बीमार व अस्वस्थ्य चल रहे हैं। एक नवंबर 2006 को 11 बजे दिन अनपरा थाना क्षेत्र के औड़ी निवासी रामगोविंद पुत्र बबई, लाले पुत्र रामगोविंद, उदास पुत्र रामगोविन्द व विद्या मिस्त्री पुत्र लक्ष्मण अपने साथ कुछ अन्य व्यक्तियों को लेकर प्रेस कार्यालय व दुकान का बरामदा तथा पीलर तोड़कर नुकसान पहुंचाने लगे। जब फोटोग्राफर विकास ने फोटो खींचना चाहा और उन लोगों को मना करने लगा तो सभी मिलकर विकास को झापड़ मुक्का से मारपीट कर उसका कैमरा, मोबाइल व 300 रूपये जबरन छीन लिया। इस संदर्भ में थाना और उच्चाधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिया,लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। घटना 7 नवंबर 2006 की शाम 4 बजे की है। रामगोविंद, विद्या मिस्त्री, लाले व उदास अपने साथ 8–10 व्यक्तियों को लेकर सबल, गैता, कुल्हाड़ी, डंडा, ट्रैक्टर, जेसीबी मशीन आदि लेकर आए और प्रेस कार्यालय व दुकान का पीलर आदि सामान तोड़कर प्रेस कार्यालय व दुकान का सारा सामान उठा ले गए। इस घटना को आसपास के लोगों ने देखा और टेलीफोन से सूचना दिया। रात्रि में ही थाने को फोन से सूचना दिया। दूसरे दिन सुबह मौके पर गया तो आसपास के लोगों ने सही जानकारी दी तो उच्चाधिकारियों को सूचना दिया। इतना ही नहीं 6 नवंबर 2006 को जनपद एवं सत्र न्यायाधीश सोनभद्र ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था, बावजूद इसके घटना को अंजाम दिया गया है।

- **2500-2500 रूपये अर्थदंड, न देने पर एक -एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी**
- **16 वर्ष पूर्व औड़ी मोड़ अनपरा स्थित ऊर्जांचल वाणी समाचार पत्र कार्यालय में तोड़फोड़ कर लूटपाट किए जाने का था आरोप**

करीब 3 लाख रूपये की नुकसानी हुई है। कोर्ट ने अनपरा थानाध्यक्ष को एफ आई आर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना का आदेश दिया था। विवेचक ने न्यायालय में 14 सितंबर 2007 को अंतिम रिपोर्ट प्रेषित किया। जिसपर प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने उसे स्वीकार कर लिया। उसके बाद धारा 200 सिआरपीसी के तहत रामकिशुन शाही का बयान, 202 सिआरपीसी के तहत 5 गवाहों विजय चौहान, रामबरन, गिरजेश सिंह, साहब सिंह व हाकिम सिंह का बयान दर्ज किया गया। अदालत ने 3 नवंबर 2009 को अभियुक्तगण को तलब किया था। इसी मामले में अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर चारो दोषियों रामगोविंद, लाले, उदास व विद्या मिस्त्री को 3–3 वर्ष की कैद एवं ढाई–ढाई हजार रूपये अर्थदंड, अर्थदंड न देने पर एक–एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी।

विभिन्न मांगों को लेकर हुई धरना प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

घोरावल,सोनभद्र। घोरावल तहसील परिसर में बृहस्पतिवार को भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) एवं अखिल भारतीय

खेत मजदूर यूनियन के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन करते हुए उपजिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम सभा भैंसवार में अपात्र बड़े जमींदारों व बाहरी लोगों द्वारा गैरकानूनी तरीके से ग्राम समाज, बंजर व जंगल की सैकड़ों बीघे भूमि पर जोत कोड़ किया जा रहा है। इसकी प्रशासन जांच कराकर सम्बंधित गांव के गरीब, भूमिहीन मूल निवासियों को उक्त भूमि का पट्टा किया जाए। भैंसवार में भू माफियाओं द्वारा तहसील कर्मचारियों से मिलीभगत करके फर्जी तरीके से एक नंबर को डबल दिखाकर व जिंदा व्यक्ति को मृतक दिखाकर बड़े पैमाने पर जमीन की बिक्री की जा रही है। सन 1981 से 2021 तक ऐसे सभी जमीन बिक्री की जांच कराकर कार्यवाही की जाए। इसी तरह विसुंधरी गांव में भी अन्य जनपदों के बाहरी लोगों के नाम सैकड़ों बीघे जमीन का पट्टा किया गया है। इसकी जांच कराकर यहां के मूल निवासी लोगों को जमीन पट्टा की जाए। धनावल गांव में अंबेडकर जयंती स्थल पर किए गए अतिक्रमण व अवैध कब्जे को हटाया जाए। घोरावल तहसील के कई गांव में वनाधिकार कानून लागू है। बहुत से गांव में पट्टा का वितरण भी हुआ है। परंतु भूमि पर कब्जा नहीं दिया गया है। इसकी जांच कराकर ऐसे सभी लाभार्थियों को पट्टे की भूमि पर कब्जा दिलाया जाए। इस अवसर पर अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम, सीपीआई एम के बच्चालाल, रामचंद्र भारती, भरतलाल इत्यादि रहे।

पाक्सो एक्ट: दोषी धनंजय सिंह को उम्रकैद

.50 हजार रूपये अर्थदंड ना देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। 9 वर्ष पूर्व दो सगी बहनों का अपहरण व दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीशधविशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी धनंजय सिंह को उम्रकैद एवं 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अर्थदंड की समूची धनराशि दोनों पीड़िताओं को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अनपरा थाने में 27 जनवरी 2014 को दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी दो बेटियां जिनकी उम्र क्रमशः 18 वर्ष व 10 वर्ष है। जो 25 नवंबर 2013 से लापता हैं। ये दोनों अनपरा क्षेत्र से घर गई थी और घर से अनपरा के लिए निकली थी, लेकिन उनका पता नहीं चला। बाद में पता लगाने पर जानकारी हुई कि बिहार प्रांत के जिला समस्तीपुर अंतर्गत थाना पटोरी के बेरी बिसनपुर गांव निवासी धनंजय सिंह पुत्र स्वर्गीय रामलेखा सिंह जो अनपरा डी प्लांट में बिजली मैकेनिकल में कार्य करता है उसकी बेटियो को शादी के लिए बहला फुसलाकर भगा ले गया है। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने दोनों पीड़िताओं को बरामद किया और पीड़िताओं का बयान लेने के बाद धारा में बढ़ोत्तरी की गई। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी धनंजय सिंह को उम्रकैद एवं 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि दोनो पीड़िताओं को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरी, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यसमिति बैठक भाजपा जिला कार्यालय राबर्ट्सगंज पर सम्पन्न हुयी बैठक मे बतौर मुख्यअतिथि काशी क्षेत्र क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चन्द्र श्रीवास्तव मौजूद रहे बैठक का शुभारंम्भ पं0 दीनदयाल उपाध्याय व डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर मुख्यअतिथि महेश चन्द्र श्रीवास्तव, जिला प्रभारी अशोक चौरसिया, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व जयप्रकाश चतुर्वेदी ने माल्यार्पण दीप प्रज्जवलत कर किया। कार्यसमिति बैठक मे आगामी कार्यक्रम की रुपरेखा व संगठनात्मक चर्चा किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे व संचालन जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद व कृष्णमुरारी गुप्ता ने किया। बैठक दो सत्रों में सम्पन्न हुयी। बैठक के प्रथम सत्र मे मुख्यअतिथि महेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि आज भारत विश्व में महाशक्ति बनकर उभर रहा है कुछ दिन पूर्व जब रुस यूक्रेन युद्ध चल रहा था उस युद्ध को रोककर अपने लोगो को वहा से सुरक्षित भारत लाया गया यह इसका जीता जागता उदाहरण है। अभी बीते समय गुजरात विधानसभा चुनाव में जनता का भरपूर समर्थन अपार स्नेह हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी को मिला जिसमें विगत कई चुनावों का इतिहास ही पलट कर रख दिया। इसी तरह से

भारत के गौरव को बढाते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को सार्थक करते हुए तमिल और काशी का समागम काशी मे आयोजित किया गया। जो कि देश की एकता और अखण्डता को पूरे विश्व मे दर्शाता है, अभी बीते 15 अगस्त को प्रधानमंत्री के आवाह्न पर पूरे देश के हर नागरिक ने अपने घर पर तिरंगा फहराया जिससे देशभक्ति की एक अलौकिक छवि देखने को मिला यह केवल प्रधानमंत्री के सोच का परिणाम है। 2014 के पहले पाकिस्तानी आत्मघाती हमले होने पर पहले दिल्ली फोन आता था फिर वहा आपस मे बातचीत होती थी उसके बाद निर्णय लिया जाता था आज मोदी सरकार ने पाकिस्तान के प्रति कठोर से कठोर कार्यवाही करने का खुला छूट अपने सैनिको को दिया है। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि ने कहा की सतत कानून व्यवस्था की बात हो अपराधमुक्त प्रदेश की बात हो एक जिला एक उत्पाद की बात हो इसको लेकर इन्वेस्टर्स का कार्यक्रम मोदी जी के प्रेरणा से हर जिले मे हो रहा है, जिससे रोजगार बढेगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। आने वाले 2024 लोकसभा चुनाव मे एक बार पुनः देश मे भारतीय जनता पार्टी का परचम लहरायेगा। द्वितीय सत्र मे बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने बजट 2023–24 पर चर्चा करते हुए कहा कि इस बजट मे शोषित वंचित महिला युवा किसान मजदूर व्यापारी सबके उत्थान के लिए बजट आवंटित किया गया है, बजट को पेश होते ही हमारा देश विश्व की पांचवी बडी अर्थव्यवस्था की दृष्टि से आगे बढ रहा है। आने वाले 2047 तक हमारा देश अर्थव्यवस्था के मामले में विश्व मे प्रथम स्थान पर रहेगा। आज के 20–25 वर्ष पहले हमारे देश के अधिकतर राज्यों मे मोटे अनाज की खेती होती थी जो पौष्टिकता के लिए भी उपयुक्त था लेकिन आज हम सब केवल धान एवं गेहूं पर निर्भर है, जिसको देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छोट और मध्यम किसानों के उत्थानों के लिए वर्ष 2023 को मोटे अनाज उत्पादन वर्ष के रुप मे मनायेंगे इसके लिए बजट के अंतर्गत प्रतिवर्ष एक करोड किसानों को सहयोग राशि कृषि उपकरण देकर किसानो को प्रोत्साहित किया जायेगा। जिला कार्यसमिती बैठक मे भाजपा जिलाउपाध्यक्ष ओमप्रकाश दूबे ने जिले के राजनैतिक व सामाजिक प्रस्ताव रखा जिसका समर्थन जिले के महामंत्री अमरनाथ पटेल जीत सिंह खरवार सहित बैठक मे उपस्थित सभी कार्यसमिति के सदस्यों ने ओम के ध्वनी से समर्थन किया। जिला कार्यसमिति के बैठक की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने आये सभी अतिथियों का अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया। बैठक मे मुख्यरुप से समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड, जयप्रकाश चतुर्वेदी, रमेश मिश्रा, रामनरेश पासवान, छोटेलाल खरवार, देवेन्द्र पटेल, अशोक मिश्रा, धर्मवीर तिवारी, अनिल कुमार मौर्य, रुबी प्रसाद, श्रवण गोंड, अजीत रावत, शारदा खरवार, कुसुम शर्मा सहित जिले के पदाधिकारी, मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्ष, जिला कार्यसमिती सदस्य, मोर्चा के जिलाध्यक्ष व महामंत्री, क्षेत्र व प्रदेश के पदाधिकारी, आईटी व सोशल मिडीया संयोजक, पूर्व जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे।

भौतिक विज्ञान का प्रयोगात्मक परीक्षा 3 व 4 फरवरी को

दैनिक बुद्ध का सन्देश

रावर्ट्सगंज,सोनभद्र। रावर्ट्सगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित चंद्रगुप्त मौर्य इंटरमीडिएट कॉलेज मधुपुर के इंटर में अध्ययन कर रहे छात्रध्छात्राओं का भौतिक विज्ञान का प्रयोगात्मक बोर्ड का परीक्षा 3 व 4 फरवरी 2023 को प्रातः 9:00 बजे से होना निश्चित हुआ है। यह जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य दयाशंकर सिंह देते हुए सभी छात्रध छात्राओं को निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा है। अन्यथा की स्थिति में छात्रध्छात्राएं स्वयं जिम्मेदार होंगे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

20 फरवरी को लखनऊ महासम्मेलन लेकर रॉबर्ट्सगंज ब्लाक की बैठक संपन्न

- **ब्लाक अध्यक्ष कृपाल राम दुबे ब्लाक महामंती बने शातेश्वर तिवारी**
- **महिला मोर्चा की ब्लाक अध्यक्ष बनी सुमन चतुर्वेदी**

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। आदर्श समायोजित शिक्षकधशिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन की एक बैठक कंपोजिट विद्यालय हिंदूआरी में जिलाध्यक्ष वकील अहमद खान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। रॉबर्ट्सगंज ब्लाक के कार्यकारिणी का गठन किया गया। कृपाल राम दुबे को ब्लॉक अध्यक्ष शांतेश्वर तिवारी को ब्लाक महामंत्री, महिला मोर्चा की ब्लाक अध्यक्ष सुमन चतुर्वेदी को सतेन्द्र पाण्डेय को ब्लाक संरक्षक, इस्ताक अली को ब्लाक वरिष्ठ उपाध्यक्ष, धर्मवीर राव को ब्लाक उपाध्यक्ष, मनोज भारती को ब्लाक कोषाध्यक्ष अभय मालवीय को ब्लाक मीडिया प्रभारी, रामबहाल को ब्लाक प्रवक्ता, कमलेश कुमार मौर्य को ब्लाक संयुक्त मंत्री, कमालुद्दीन को ब्लाक उपाध्यक्षसूबेदार को ब्लाक संगठन मंत्री, सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष खान ने कहा कि संघर्ष की इस घड़ी में अपनी ताकत और उर्जा को सक्रिय करें हतोत्साहित न हो क्योंकि हिम्मत और हौसला मुश्किल को आसान कर देते हैं उन्होंने बताया कि आप लोग पूरी जी जान से कार्यक्रम को सफल बनाने में जुट जाएं एक एक शिक्षामित्र से संपर्क करके लखनऊ चलने हेतु प्रेरित करें कोई भी शिक्षामित्र लखनऊ जाने से वंचित ना रहे आप की एकता ही इस लड़ाई को अंतिम मुकाम तक ले जा सकती है जैसा कि आपको विदित है कि कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर व उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह प्रतिभाग कर रहे हैं। यह 2017 के बाद पहला अवसर है कि सरकार

का कोई मंत्री हमारे बीच आ रहा है मतलब कुछ अच्छा होने की संभावना है इस अवसर को किसी भी कीमत पर हाथ से ना जाने दे। अतः जनपद के समस्त शिक्षामित्रों से अपील है कि अपने परिवार के साथ 20 फरवरी को लखनऊ की धरती पर कूच करें। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविन्द सिंह ने कहा कि कार्यकारिणी के सभी सदस्य अपनी अपनी योजना तैयार कर लें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतें इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठाएं। ब्लाक अध्यक्ष कृपाल राम दुबे ने कहा कि ब्लाक के सभी शिक्षामित्र कमर कस लें हमें जो कुछ मिला संघर्ष के बल पर मिला यह ऐतिहासिक सम्मेलन शिक्षामित्रों का दिशा और दशा तय करेगा। संचालन संदीप सिंह ने किया। इस अवसर पर ब्लाक अध्यक्ष करमा भोला नाथ, ब्लाक अध्यक्ष चतरा नीरज सिंह, ब्लाक कोषाध्यक्ष करमा परमेश्वर, गुप्त नाथ सिंह, पार्वती देवी, गुल्लू प्रसाद मनोज सिंह, कमलेश कुमार सिंह, आदि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीष प्रताप यादव (सोनू)
ग्राम प्रधान सोहास

जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ स्वच्छता का करें पालन, स्वच्छ हो हर घर आँगन !

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

पंकज वर्मा
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि - ऐंगडेगवा

जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ हम सब ने आज ये ठाना है, आजादी को अमर बनाना है

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सोहराब खा पब्लिक स्कूल सोहास बाज़ार सिद्धार्थ नगर
प्रधानाचार्य अफरोज

प्रबंधक इबारत अली
जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ 15 अगस्त पर अभिमान करो, स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करो।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

महेन्द्र यादव
ग्राम प्रधान - बरगदवा

जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ झेला जिन्होंने दुश्मन का प्रहार, है देश उन्ही का कर्जदार

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

वसीम खान
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि - महादेवा बुजुर्ग

जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ जिन वीरों पर हमको गर्व है, स्वतंत्रता उन्हीं का पर्व है

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

आशुतोष सिंह श्रीनेत चंदन सिंह
मो0 : 8887870787
प्रदेश संगठन महासचिव भारतीय बौद्ध संघ ,उत्तर प्रदेश

जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ स्वच्छता का करें पालन, स्वच्छ हो हर घर आँगन !

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सत्य प्रकाश
ग्राम प्रधान - सहिजवार
वि.ख. : भनवापुर

जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ इंकलाब का नारा है, भारत देश हमारा है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

डा अनिल शाहनी
चन्द्रावती हास्पिटल मन्नीजोत,
चन्द्रा हेल्थ केयर धोबहा सिद्धार्थनगरा

जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ स्वतंत्रता दिवस पर हम कसम खाएंगे, स्वतंत्र भारत को स्वच्छ बनाएंगे।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

गंगा राम
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि - अमहट

जनपद - सिद्धार्थनगर
✓ चलो जश्न मनाये, आजादी का त्यौहार मनाये।

कार्यालय नगर पंचायत बिस्कोहर, जनपद-सिद्धार्थनगर

स्वच्छ बिस्कोहर, स्वच्छ सर्वेक्षण 2023, स्वस्थ बिस्कोहर

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सिद्धार्थनगर महोत्सव के समापन

अवसर पर मुख्यमंत्री

मा. योगी आदित्यनाथ जी का

हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्द करते है।

विकास कश्यप
उपजिलाधिकारी, इटवा

1. यह नगर आपका है, आप नगर के सम्मानित नागरिक है, नगर का स्वच्छ, प्रदूषण रहित बनाये रखने के लिए नगर पंचायत द्वारा किये जा रहे प्रयासों मे सहयोग करें। अपने घरों का कूड़ा करकट नालियों में न डालें, उसे निश्चित स्थान पर ही रखें।
2. सार्वजनिक सड़क, भूमि, पटरी व नालियों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें। अतिक्रमण एक संज्ञेय अपराध है
3. नगर पंचायत द्वारा नगर में स्थापित प्रकाश बिन्दु जो अंधेरे में आप के मार्ग दर्शक हैं, को क्षति न पहुचायें।
4. नगर पंचायत से भवन मानचित्र स्वीकृत कराने के बाद ही भवन का निर्माण करें।
5. जन्म मृत्यु का पंजीयन 21 दिन के अन्दर कार्यालय में समय से दर्ज करायें।
6. प्रतिबन्धित पालीथीन का प्रयोग न करें, नगर को प्रदूषण से बचायें। जूट व कागज से बने थैले का ही प्रयोग करें।
7. खुले मैदान या खेतों में शौच के लिए न जाएं, घर में बने शौचालय का प्रयोग करें।
8. अधिक से अधिक पेड़ लगायें भूमण्डल को बेहतर बनायें।
9. स्वच्छता ऐप डाउनलोड करें। दूसरों को भी स्वच्छता ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करें।
10. यह नगर आपका है इसे स्वच्छ एवं सुन्दर बनाये रखने में सहयोग करें।
11. छत से कूड़ा न फेंके, फेंकते हुए पकड़े जाने पर नगर पंचायत द्वारा कानूनी कार्यवाही की जायेगी।
12. मास्क का प्रयोग करें एवं सामाजिक दूरी बनायें।
13. कोविड–19 बचाव हेतु वैक्सीन अवश्य लगवायें तथा दूसरों को प्रोत्साहित भी करें।
14. मास्क जरूर लगाये तथा दो गज की दूरी अपनाएं।

अमरजीत
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत, बिस्कोहर

संजीव रंजन
जिलाधिकारी
सिद्धार्थनगर

उमाशंकर
प्रशासक/अपर जिलाधिकारी (वि./रा.)
नगर पंचायत बिस्कोहर, सिद्धार्थनगर